Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

# वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्षः 07 अंकः 175 | शनिवार, 04 जुलाई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

## कौशांबी टोल प्लाजा पर मौत का मंजर

# एलपीजी टैंकर में ब्लास्ट, 4 की मौत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

**नई दिल्ली।** उत्तर प्रदेश के कौशाम्बी ज़िले में एक टोल प्लाजा के पास LPG टैंकर में आग लगने से कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। CCTV फुटेज में वह भयानक पल कैद हुआ जब कौशाम्बी ज़िले के सिरोही टोल प्लाजा पर LPG टैंकर से तेजी से गैस लीक होने लगी और कुछ ही सेकंड में वह आग का गोला बन गया। 26 जून, 2026 के इस वीडियो में टैंकर से तेजी से सफेद गैस निकलती हुई दिखाई दी, जिसके तुरंत बाद एक जोरदार धमाका हुआ और गाड़ी आग की लपटों में घिर गई, जिससे टोल बूथ वाले इलाके में आग फैल गई।

उत्तर प्रदेश के एक व्यस्त टोल प्लाजा पर LPG टैंकर में आग लगने की यह चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यह घटना सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के पास LPG लीक होने से जुड़े भारी खतरे को उजागर करती है। आग में 16 मोटरसाइकिलें और दो कारें जलकर खाक हो गईं। पूरी घटना CCTV में कैद हो गई। यह घटना तब हुई जब कानपुर से वाराणसी जा रहा एक LPG टैंकर कथित तौर पर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया, जिससे भीषण आग लग गई। पुलिस ने बताया कि टक्कर के बाद गैस लीक हुई और टैंकर में आग लगने से पहले ही यह गैस तेजी से फैल गई, जिससे आसपास का इलाका आग की लपटों में घिर गया। घटना का CCTV फुटेज भी सामने आया है, जिसमें आग लगने से कुछ पल पहले तेज रफ़्तार टैंकर डिवाइडर से टकराता हुआ दिख रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, टैंकर ड्राइवर धर्मेंद्र द्विवेदी (जो उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर ज़िले का रहने वाला था) गाड़ी के केबिन में फँस गया था और आग से बाहर न निकल पाने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना में टोल प्लाजा के पाँच कर्मचारी भी बुरी तरह झुलस गए और उन्हें प्रयागराज के स्वरूप रानी नेहरू (SRN) अस्पताल ले जाया गया। दो और घायल कर्मचारियों–रायबरेली के रहने वाले हीरामन सिंह और ललितपुर के रहने वाले कृष्णपाल मौर्य की भी मौत हो गई, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई। अस्पताल में दो अन्य टोल कर्मचारियों का इलाज अभी भी चल रहा है। पुलिस ने बताया कि उन्होंने शवों को पोस्टमार्टम के लिए अपने कब्जे में ले लिया है और घटना की जाँच जारी है। लगभग 60-70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से चल रहा ऑयल टैंकर सेंट्रल डिवाइडर से टकराया, पलट गया और टोल प्लाजा से जा टकराया। टक्कर के तुरंत बाद टैंकर से LPG लीक होने लगी और फिर जबरदस्त धमाका हुआ, जिससे गाड़ी और टोल प्लाजा का कुछ हिस्सा आग की लपटों में घिर गया। घटना के तुरंत बाद, लगभग दो किलोमीटर दूर से ही काले धुएं के गुबार और ऊंची उठती आग की लपटें दिखाई दे रही थीं। आग तेजी से टोल प्लाजा यार्ड और पास के टॉयलेट ब्लॉक तक फैल गई, जिससे कई कर्मचारी आग की लपटों के बीच फंस गए। टोल प्लाजा के दोनों तरफ बसें और कारें कतार में खड़ी हो गईं और डरे-सहमे यात्रियों ने अपनी गाड़ियां छोड़ दीं, जबकि पूरे इलाके में अफरातफरी और दहशत फैल गई।

## 52,000 करोड़ का रक्षा बूस्टः डीएसी ने सैन्य उपकरणों को दी मंजूरी, बढ़ेगी भारत की ताकत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

**नई दिल्ली।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) ने रक्षा बलों के लिए लगभग 52,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाले विभिन्न अधिग्रहण प्रस्तावों को 'आवश्यकता की स्वीकृति' (AoN) यानी सैद्धांतिक प्रशासनिक मंजूरी दी। रक्षा मंत्रालय ने इस बात की जानकारी दी है। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय सेना के लिए, एंटी-अनमैन्ड एरियल व्हीकल (UAV) इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम 'आकाश तरंग', मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल (MPATGM) सिस्टम, मीडियम रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल वेपन सिस्टम, वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम, टैंकों के लिए एक्टिव प्रोटेक्शन सिस्टम और जेट-बेस्ड कामिकेज ड्रोन सिस्टम की खरीद को मंजूरी दी गई। आकाश तरंग सेना की टुकड़ियों को एंटी-UAV सुरक्षा देगा। MPATGM दुश्मन के मैकेनाइज्ड खतरों का मुकाबला करने की इन्फैंट्री की क्षमता को बढ़ाएगा। मीडियम रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल सिस्टम कई तरह के दूर से होने वाले हवाई खतरों के खिलाफ मध्यम दूरी की हवाई सुरक्षा देता है। मल्टी-स्पेक्ट्रल सेंसिंग वाला वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई की क्षमता और असर को बढ़ाएगा। एक्टिव प्रोटेक्शन सिस्टम टैंकों की सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने और उनके बचे रहने की क्षमता को बढ़ाने में सक्षम होगा। जेट-बेस्ड कामिकेज ड्रोन बेहतर इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर क्षमता के साथ-साथ ज्यादा घातक और सुरक्षित होने के साथ-साथ किफायती भी हैं।

## राम मंदिर के चंदे में घोटाला? विनय कटियार बोले- पीएम मोदी से की थी बात, अब जेल जाएंगे दोषी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

**नई दिल्ली।** बीजेपी नेता और बजरंग दल के संस्थापक विनय कटियार ने शुक्रवार को दावा किया कि अगर चल रही जांच में गड़बड़ी साबित होती है, तो श्री राम जन्मभूमि मंदिर के लिए दिए गए दान में कथित अनियमितताओं के मामले में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय, एडमिनिस्ट्रेटर गोपाल राव और पूर्व ट्रस्टी अनिल मिश्रा को जेल हो सकती है। कटियार का कहना है कि चंपत राय और अनिल मिश्रा जल्द ही जेल जा सकते हैं।

एएनआई से बात करते हुए कटियार ने आरोप लगाया कि भक्तों द्वारा दान किए गए पैसे का गबन किया गया है और कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की थी। उनके अनुसार, मामला अब उस चरण में पहुँच गया है जहाँ कानून को अपना काम करना चाहिए और दोषियों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। एएआई के अनुसार कटियार ने कहा कि यह स्पष्ट है कि पैसे का गबन हुआ है। मैंने इस मामले पर मोदी जी से बात की, और उन्होंने पूछा कि भविष्य में क्या होगा। मैंने उनसे कहा कि सब ठीक हो जाएगा। हो सकता है कि आने वाले दिनों में चंपत राय, गोपाल राव और अनिल मिश्रा को जेल जाना पड़े। बीजेपी नेता ने राम जन्मभूमि आंदोलन को भी याद किया और मंदिर आंदोलन में अपनी भूमिका के लिए उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने आंदोलन के दौरान कई कार्यकताओं और समर्थकों द्वारा दिए गए बलिदानों को याद किया और सिंह के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि हमने उस जगह के लिए बलिदान दिया है। हमारे सात या आठ लोग वहाँ शहीद हुए थे। कल्याण सिंह ने पूछा, आप क्या कर रहे हैं? मैंने कहा, 'कुछ नहीं हो रहा है; जो भी होगा, भगवान सब ठीक कर देंगे।' कल्याण सिंह जी एक बहुत अच्छे शासक और प्रशासक थे। मंदिर के दान में कथित हेराफेरी की चल रही जांच का ज़िक्र करते हुए कटियार ने कहा कि मामले की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) को अपनी जांच पूरी करने के लिए और समय मिला है। उन्होंने कहा कि श्री राम जन्मभूमि मंदिर के लिए दिए गए दान में कथित हेराफेरी की जांच कर रही रक्ळ टीम ने अपना कार्यकाल 15 दिन और बढ़ा दिया है। जांच का आज दूसरा दिन है। इस बीच, SIT को अपनी जांच का दायरा बढ़ाने और कथित दान हेराफेरी मामले के हर पहलू की व्यापक जांच करने के लिए आधिकारिक तौर पर 15 दिन का अतिरिक्त समय दिया गया है। इस समय-सीमा को बढ़ाने का मकसद यह पक्का करना है कि सभी उपलब्ध सबूतों की अच्छी तरह से जांच हो और मामले में ज़िम्मेदार पाया गया कोई भी व्यक्ति कानूनी कार्रवाई से बच न सके। उत्तर प्रदेश पुलिस ने राम मंदिर दान में कथित हेराफेरी के मामले की जांच तेज कर दी है। अधिकारी अभी अयोध्या में स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप के दफ़्तर में आरोपी अविनाश शुक्ला से पूछताछ कर रहे हैं। अयोध्या के सर्कल ऑफिसर आशुतोष तिवारी और कई अन्य अधिकारी इस पूछताछ की निगरानी कर रहे हैं। अविनाश शुक्ला, जो कथित तौर पर राम मंदिर में मिले चढ़ावे की गिनती से जुड़े थे, उन्हें गुरुवार को अयोध्या की अदालत में पेश किया गया। इसके बाद अदालत ने मामले में आगे की पूछताछ के लिए उन्हें 24 घंटे की पुलिस रिमांड पर भेज दिया। इससे पहले, 28 जून को सर्कल ऑफिसर आशुतोष कुमार की अगुवाई में पुलिस की एक टीम ने अयोध्या में शुक्ला के घर जाकर तलाशी ली, सबूत इकट्ठा किए और जांच से जुड़े लोगों से पूछताछ की। यह विवाद तब शुरू हुआ जब 25 जून को श्री राम जन्मभूमि मंदिर में मिले दान में हेराफेरी का आरोप लगाते हुए FIR दर्ज की गई।

## ई-रिक्शा को बीच सड़क रोकने वाले 3 खतरनाक ऐप्स पर सरकार का एक्शन, तुरंत ब्लॉक करने का आदेश

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

**नई दिल्ली।** सरकार ने तीन ऐसे मोबाइल ऐप को हटाने का आदेश दिया है, जिनका इस्तेमाल कथित तौर पर सड़कों पर ई-रिक्शा या बैटरी से चलने वाले वाहनों को अचानक रोकने के लिए किया जा रहा था। सूत्रों ने आगे बताया कि BAT-BMS, Lossigy और Epoch-i-ion जैसे तीन ऐप्स को हटाने का आदेश दिया गया है, और गलत इस्तेमाल हो रहे ऐसे किसी भी अन्य ऐप को भी ब्लॉक कर दिया जाएगा। ये ऐप्स विवाद शुरू होने से काफी पहले ही Google Play Store और Apple App Store पर उपलब्ध थे और इन्हें बैटरी की जांच और मैनेजमेंट के लिए बनाया गया था। रुआत में BAT-BMS कोई हैकिंग टूल नहीं था। Shenzhen Grenergy Technology ने इसे ब्लूटूथ-इनेबल्ड लिथियम-आयन बैटरी के लिए एक सही साथी ऐप के तौर पर बनाया था। इसका मकसद बैटरी की जानकारी दिखाना था, जैसेः वोल्टेज, तापमान, चार्ज साइकल और ऐसी ही दूसरी काम की चीजें। यह यूजर्स को मेंटेनेंस करने और जरूरत पड़ने पर बैटरी के डिस्चार्ज फंक्शन को बंद करने की सुविधा भी देता है। इस वजह से, लगभग 10 से 15 मीटर की ब्लूटूथ रेंज में मौजूद कोई भी व्यक्ति बिना किसी रोक-टोक के ऐप के जरिए बैटरी से कनेक्ट हो सकता था। शरारती लोग इसी का फायदा उठाते थेः वे पास के ई-रिक्शा से कनेक्ट हो जाते थे और सवारी के बीच में ही बैटरी बंद कर देते थे, जिससे ड्राइवर बीच रास्ते में ही फँस जाते थे और परेशान हो जाते थे। लोगों को चिंता होने लगी, और यह निश्चित रूप से यात्रियों के लिए एक बड़ा जोखिम है। इससे यह भी पता चलता है कि कनेक्टेड गाड़ियाँ सुरक्षा का ध्यान कैसे रखती हैं। सरकार ने भी कोई समय बर्बाद नहीं किया; MeitY ने तुरंत कार्रवाई की और कहा कि इस तरह के सॉफ़्टवेयर को आम इस्तेमाल के लिए जारी करने से पहले उनकी कड़ी जाँच की जाएगी।

## तेलंगाना में एसीबी का बड़ा एक्शनः डीएसपी के 16 ठिकानों पर की छापेमारी, 200 करोड़ से ज्यादा की मिली संपत्ति

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

**नई दिल्ली।** तेलंगाना में भ्रष्टाचार के खिलाफ एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई की है। एसीबी ने पुलिस कंप्यूटर सर्विसेज के डीएसपी संकीरेड्डी भीम रेड्डी के घर पर छापा मारा। जांच में अधिकारी की 200 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति का खुलासा हुआ है। इसके साथ ही उन पर नौकरी के दौरान आय से अधिक संपत्ति जुटाने का आरोप है।

### कितने जगहों पर ली तलाशी

एसीबी के मुताबिक, गुरुवार को डीएसपी संकीरेड्डी भीम रेड्डी के घर समेत कुल 16 ठिकानों पर एक साथ तलाशी ली गई। इनमें उनके रिश्तेदारों, दोस्तों, कथित बेनामीदारों और सहयोगियों से जुड़े ठिकाने भी शामिल थे।

### कई फ्लैट, प्लॉट और खेती की जमीन मिली

एनडीटीवी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार तलाशी के दौरान तेलंगाना और कर्नाटक में फैली बड़ी संपत्तियों के दस्तावेज मिले। इनमें इब्राहिमबाग के वेसेला मीडोज में पेंटहाउस वाला लग्जरी G+2 विला, गाचीबोवली, टेलीकॉम नगर और तेल्लापुर में चार फ्लैट, नागोल और पटनचेरु में तीन खाली प्लॉट शामिल हैं। इसके अलावा, मणिकोंडा में G+5 कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में हिस्सेदारी, 3,000 वर्ग फुट की व्यावसायिक जगह और कर्नाटक, संगारेड्डी, विकाराबाद तथा मुचिंताला में 50 एकड़ से ज्यादा खेती की जमीन से जुड़े दस्तावेज भी मिले। जांच में एक माइनिंग कंपनी में 75 लाख रुपये के निवेश का भी पता चला।

### नकदी, सोना-चांदी और बैंक जमा भी मिले

एसीबी ने डीएसपी के घर से 3.6 लाख रुपये नकद और एक कथित बेनामीदार के घर से 40 लाख रुपये बरामद किए। इसके अलावा 2 किलो सोने के गहने, 20 किलो चांदी की वस्तुएं और करीब 19.91 लाख रुपये के बैंक डिपॉजिट का भी पता चला।

### 200 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति का अनुमान

जांच एजेंसी के अनुसार, बरामद अचल संपत्तियों की मौजूदा बाजार कीमत 200 करोड़ रुपये से ज्यादा आंकी गई है, जबकि उनकी रजिस्टर्ड कीमत इससे काफी कम है। तलाशी के दौरान घर से विदेशी शराब की 23 बोतलें भी मिलीं, जिसकी जानकारी आगे की कार्रवाई के लिए आबकारी विभाग को दे दी गई है।

### भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज

वहीं, डीएसपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (2018 संशोधन) की धारा 13(1)(b) और 13(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। एसीबी का कहना है कि जांच अभी जारी है और अवैध संपत्ति की कुल कीमत बढ़ सकती है। इसके साथ ही, इस मामले में अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

## जैश-ए-मोहम्मद की साजिश फेल?: गुजरात और मध्य प्रदेश से आठ संदिग्ध गिरफ्तार, एटीएस ने शुरू की पूछताछ

**नई दिल्ली(वेलकम इंडिया)।** गुजरात पुलिस के आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) ने गुजरात और मध्य प्रदेश के अलग–अलग जिलों से आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, इन सभी लोगों पर आतंकी संगठन जैश–ए–मोहम्मद से संबंध होने का आरोप है। एटीएस के अनुसार, सभी आरोपी जैश–ए–मोहम्मद के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे थे। उनका मकसद गुजरात में संगठन का सक्रिय नेटवर्क तैयार करना था, ताकि उसकी आतंकी गतिविधियों को आगे बढ़ाया जा सके। एटीएस ने बताया कि सभी आठ आरोपियों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की धारा 13, 17, 18, 38 और 39 तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 148 और 61 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

## सीएम विजय पर टिप्पणी पड़ी भारीः पूर्व मंत्री राधाकृष्णन गिरफ्तार; क्या तमिलनाडु में सत्ता के निशाने पर विपक्ष?

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

**नई दिल्ली।** तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में DMK के पूर्व मंत्री अनीता आर. राधाकृष्णन को शुक्रवार को तमिलनाडु के तूतीकोरिन में गिरफ्तार कर लिया गया। इससे पहले मद्रास हाई कोर्ट ने इस मामले में उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिसके बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, राधाकृष्णन को तूतीकोरिन से करीब 23 किलोमीटर दूर ऑथूर के दौरे के दौरान हिरासत में लिया गया। इसके बाद उन्हें पुलिस जीप में बैठाकर ले जाया गया। गिरफ्तारी की खबर मिलते ही उनके समर्थक मौके पर जुट गए और पुलिस कार्रवाई के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

### 'इतनी जल्दबाजी में गिरफ्तार क्यों?'

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने राधाकृष्णन की गिरफ्तारी पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब वह अपने विधानसभा क्षेत्र के निरीक्षण पर थे, तब उन्हें इतनी जल्दबाजी में गिरफ्तार करने की क्या जरूरत थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ TVK सरकार एक महिला द्वारा अपने ही विधायक पर लगाए गए कथित गैंगरेप के आरोपों पर कार्रवाई करने के बजाय विपक्षी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करने में अधिक रुचि दिखा रही है। स्टालिन ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा, 'इतनी जल्दबाजी क्यों? क्या यही वह बदलाव है, जिसे यह सरकार लाना चाहती है? यह सरकार महिलाओं के खिलाफ हत्या, डकैती और यौन अपराध रोकने में विफल रही है और विपक्षी दलों के नेताओं को गिरफ्तार करने में व्यस्त है।' यदि मानहानि या कथित आपत्तिजनक बयानों के आधार पर गिरफ्तारियां होने लगें, तो सरकार के कई मंत्रियों को भी जेल जाना पड़े। स्टालिन ने मुख्यमंत्री पर राजनीतिक हमला करते हुए कहा कि उन्हें लगता है कि वह विधायकों की खरीद-फरोख्त और जनता के लिए कोई ठोस काम किए बिना सत्ता में बने रह सकते हैं। सरकार विपक्ष की आवाज दबाने के लिए गिरफ्तारियों का सहारा ले रही है और चेतावनी दी कि 'अहंकार हमेशा विनाश का रास्ता बनता है।' DMK सांसद कनिमोझी ने भी राधाकृष्णन की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा कि उनकी पार्टी ऐसे 'दमनकारी हथकंडों' के आगे कभी नहीं झुकेगी और लोकतांत्रिक तरीके से अपना संघर्ष जारी रखेगी। तिरुचेंदूर विधानसभा सीट से विधायक अनीता आर. राधाकृष्णन ने 20 जून को एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी की थी। इसके बाद TVK की ओर से पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने राधाकृष्णन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) और धारा 353(2) (सार्वजनिक उपद्रव को बढ़ावा देने वाले बयान देना) के तहत मामला दर्ज किया।

## संपादक की कलम से

# सभ्यता के अंत की शुरूआत, लालच से भरे युद्ध

ललित शर्मा
संपादक

**मा**नव सभ्यता ने हजारों वर्षों की यात्रा में ज्ञान, विज्ञान, संस्कृति और लोकतंत्र के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष विज्ञान, चिकित्सा और संचार के क्षेत्र में मानव ने ऐसी उपलब्धियाँ अर्जित की हैं जिनकी कल्पना भी कभी असंभव मानी जाती थी। किंतु विडंबना यह है कि जितनी तेजी से विज्ञान आगे बढ़ा है, उतनी ही तीव्रता से सत्ता, वर्चस्व और स्वार्थ की राजनीति भी विकसित हुई है। आज विश्व के अनेक क्षेत्रों में युद्ध की विभीषिका यह संकेत दे रही है कि मनुष्य ने तकनीक तो आधुनिक बना ली, परंतु अपनी चेतना को अभी भी संकीर्ण स्वार्थों से मुक्त नहीं कर पाया। आज अमेरिका, रूस, चीन, इजराइल, ईरान, उत्तर कोरिया तथा अनेक क्षेत्रीय शक्तियाँ प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से शक्ति-प्रदर्शन की प्रतिस्पर्धा में लगी हुई हैं। कहीं आर्थिक प्रतिबंध हथियार बन रहे हैं, कहीं व्यापारिक युद्ध, कहीं साइबर आक्रमण, तो कहीं मिसाइलों और ड्रोन की वर्षा। ऐसा प्रतीत होता है कि वैश्विक राजनीति का मूल उद्देश्य मानव कल्याण नहीं, बल्कि प्रभुत्व स्थापित करना बन गया है। रूस-यूक्रेन युद्ध ने पूरी दुनिया को यह दिखा दिया कि किसी क्षेत्रीय संघर्ष का प्रभाव सीमित नहीं रहता। लाखों लोग विस्थापित हुए, हजारों सैनिक और नागरिक मारे गए, खाद्यान्न संकट उत्पन्न हुआ, ऊर्जा की कीमतें बढ़ीं और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव पड़ा। इसी प्रकार मध्य-पूर्व में इजराइल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव केवल दो देशों का विवाद नहीं, बल्कि पूरे विश्व की सामरिक स्थिरता को प्रभावित करने वाला प्रश्न बन चुका है। विश्व की महाशक्तियाँ अपने-अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का कहना है कि 'रूस अपनी सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों से कभी समझौता नहीं करेगा।' यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की बार-बार कहते रहे हैं कि स्वतंत्रता किसी भी राष्ट्र का सबसे बड़ा अधिकार है और उसकी रक्षा हर कीमत पर की जाएगी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में युद्ध समाप्त करने की इच्छा व्यक्त की है, किंतु साथ ही यह भी स्पष्ट किया है कि अमेरिका अपने राष्ट्रीय हितों और सहयोगियों की सुरक्षा से पीछे नहीं हटेगा। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का कहना है कि इजराइल अपने अस्तित्व और सुरक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगा। वहीं ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई का स्पष्ट संदेश रहा है कि ईरान किसी भी दबाव के आगे झुकने वाला नहीं है। हर राष्ट्र स्वयं को सही मानता है और अपने हितों की रक्षा को सर्वोपरि रखता है। किंतु जब संवाद की जगह शक्ति और प्रतिशोध ले लेते हैं, तब विश्व शांति सबसे बड़ी कीमत चुकाती है। आज युद्ध का स्वरूप भी बदल चुका है। पहले युद्ध सीमाओं पर सैनिक लड़ते थे, अब अर्थव्यवस्थाएँ, तकनीक, साइबर नेटवर्क, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उपग्रह और सूचना तंत्र भी युद्ध के हथियार बन चुके हैं। व्यापारिक प्रतिबंध, सेमीकंडक्टर तकनीक पर नियंत्रण, दुर्लभ खनिजों की प्रतिस्पर्धा और ऊर्जा संसाधनों पर कब्जे की होड़ इस बात का प्रमाण हैं कि आधुनिक युद्ध केवल बंदूकों से नहीं लड़े जाते। परमाणु हथियारों की बढ़ती संख्या विश्व के लिए सबसे बड़ा संकट है। आज विश्व में हजारों परमाणु हथियार मौजूद हैं। यदि किसी भी कारण से परमाणु संघर्ष प्रारंभ हुआ, तो उसका प्रभाव केवल युद्धरत देशों तक सीमित नहीं रहेगा। जलवायु परिवर्तन, परमाणु विकिरण, खाद्य संकट और वैश्विक आर्थिक पतन पूरी मानवता को प्रभावित करेंगे।

## पाप धुल ना पाया है

उदय किशोर साह

कविता

लाख पूजा पाठ कर ले तुँ बन्दे
तेरा पाप कभी धुल ना पायेगा
तेरे हाथों जो हुई है सारे कुकर्म
तुम्हें इसका फल दे कर जायेगा

लाख जप तप व तर्पण कर ले बन्दे
घंटा की ध्वनि सुकून ना दिलायेगा
दीन दुखिया की घर उजाड़ा है तुम
तेरी भी आशियाना ढ़ह गिर जायेगा

लाख दान दे दानवीर बन जा बन्दे
दीन की आह तुम्हें भी रूला जायेगा
मखमली की बिस्तर पे खुद को पा ले
पर आंसू की बद्दुआ से नींद ना आयेगा

लाख दिखावे की समाज सेवी कहला ले
पर तेरी करतूत सबको पता चल जायेगा
तेरी हाथों से हुई सब पाप की गठरी
तेरे ही घर लौट कर एक दिन आ जायेगा

लाख मंदिर मस्जिद में सजदा कर बन्दे
रब की न्याय ना कभी बदल पायेगा
तेरी हर अपराध की रपट पर तुमको
इसकी सजा यमराज दे तुम्हें नाच नचायेगा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

# भारतीय छात्रों को स्कूल से करियर तक की यात्रा में मदद करना

डॉ विजय गर्ग
लेखक

भारत दुनिया की सबसे युवा आबादी वाले देशों में से एक है। हर वर्ष लाखों छात्र स्कूल और कॉलेज की पढ़ाई पूरी करके रोजगार और करियर की दुनिया में प्रवेश करते हैं। लेकिन शिक्षा और रोजगार के बीच मौजूद अंतर आज भी एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। कई छात्र अच्छे अंक प्राप्त करने के बावजूद अपनी रुचियों, क्षमताओं और नौकरी बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप सही दिशा नहीं चुन पाते। इसलिए भारतीय छात्रों को स्कूल से करियर तक की यात्रा में उचित मार्गदर्शन और सहयोग प्रदान करना समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

आज के दौर में केवल शैक्षणिक उपलब्धियां ही सफलता की गारंटी नहीं हैं। उद्योग जगत ऐसे युवाओं की तलाश में है जिनके पास संचार कौशल, समस्या-समाधान की क्षमता, टीमवर्क, नेतृत्व, रचनात्मक सोच और डिजिटल दक्षता जैसे गुण भी हों। दुर्भाग्य से, हमारी शिक्षा व्यवस्था अभी भी काफी हद तक परीक्षा और अंकों पर केंद्रित है, जिसके कारण छात्रों को वास्तविक कार्यस्थल की चुनौतियों के लिए पर्याप्त रूप से तैयार नहीं किया जा पाता।

करियर मार्गदर्शन की कमी भी एक गंभीर समस्या है। ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों के अनेक छात्र करियर के

विभिन्न विकल्पों से परिचित नहीं हो पाते।

वे अक्सर डॉक्टर, इंजीनियर या सरकारी नौकरी जैसे पारंपरिक पेशों तक ही अपने सपनों को सीमित कर लेते हैं, जबकि आज डेटा साइंस, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, डिजिटल मार्केटिंग, पर्यावरण विज्ञान, खेल प्रबंधन, डिजाइन और उद्यमिता जैसे अनेक नए क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहे हैं।

इस स्थिति को सुधारने के लिए स्कूल स्तर पर ही करियर परामर्श को मजबूत बनाना आवश्यक है। छात्रों को उनकी रुचियों, योग्यता और व्यक्तित्व के आधार पर विभिन्न करियर विकल्पों की जानकारी दी जानी चाहिए। इसके साथ ही, अभिभावकों को भी इस प्रक्रिया में शामिल करना चाहिए ताकि वे अपने बच्चों की वास्तविक क्षमताओं को समझ सकें और उन पर अनावश्यक दबाव न डालें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने भी कौशल-आधारित शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया है। यदि स्कूलों में इंटर्नशिप, परियोजना-आधारित शिक्षा, उद्योग भ्रमण और स्थानीय व्यवसायों के साथ सहयोग बढ़ाया जाए, तो छात्रों को कार्यस्थल का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो सकता है। इससे वे अपने भविष्य के करियर को लेकर अधिक स्पष्ट और आत्मविश्वासी बन सकेंगे।

डिजिटल तकनीक भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। ऑनलाइन पाठ्यक्रम, कौशल विकास मंच और वर्चुअल इंटर्नशिप छात्रों को नए अवसरों से जोड़ रहे हैं। हालांकि, इसके लिए यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि सभी छात्रों को इंटरनेट और डिजिटल संसाधनों तक समान पहुंच प्राप्त हो।

स्कूल से करियर तक की यात्रा केवल डिग्री हासिल करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह जीवन के लिए आवश्यक कौशल, आत्मविश्वास और सही दिशा प्राप्त करने की प्रक्रिया भी है। जब शिक्षा संस्थान, उद्योग, सरकार और परिवार मिलकर कार्य करेंगे, तभी युवाओं को उनकी क्षमता के अनुरूप अवसर मिल सकेंगे।

भारत का उज्ज्वल भविष्य इसी पर निर्भर करता है कि हम अपने छात्रों को केवल परीक्षा में सफल होने के लिए नहीं, बल्कि जीवन और करियर में सफल होने के लिए कितनी अच्छी तरह तैयार करते हैं।

# जब शहर तपते हैं

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

भारत आज तीव्र शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन—दो ऐसी प्रक्रियाओं के संगम पर खड़ा है, जो देश के सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक ढांचे को गहराई से प्रभावित कर रही हैं। एक ओर शहर विकास, रोजगार और नवाचार के केंद्र हैं, तो दूसरी ओर वे बढ़ते तापमान, अनियमित वर्षा, शहरी बाढ़, जल संकट, वायु प्रदूषण और चरम मौसमी घटनाओं के सबसे बड़े शिकार भी बनते जा रहे हैं। सामान्यतः जलवायु परिवर्तन को पर्यावरणीय समस्या माना जाता है, किंतु भारतीय शहरों का अनुभव बताता है कि यह केवल प्रकृति का संकट नहीं है; यह शहरी शासन, सामाजिक न्याय और विकास मॉडल की सीमाओं को उजागर करने वाला बहुआयामी संकट है।

इस संकट का सबसे अधिक दुष्प्रभाव उन लोगों पर पड़ता है, जो शहरों की अर्थव्यवस्था और जीवन-प्रणाली को प्रतिदिन संचालित करते हैं, लेकिन नीतियों और योजनाओं में सबसे पीछे रह जाते हैं। इनमें अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिक, प्रवासी मजदूर, सड़क विक्रेता, निर्माण श्रमिक, घरेलू कामगार, कचरा बीनने वाले और स्वच्छता कार्यकर्ता प्रमुख हैं। विडंबना यह है कि जिन लोगों के श्रम से शहर चलते हैं, वही लोग जलवायु परिवर्तन के सबसे असुरक्षित शिकार बनते हैं।

भारत की लगभग 35 प्रतिशत आबादी शहरों में रहती है और आने वाले दशकों में यह अनुपात तेजी से बढ़ेगा। शहरों का विस्तार अक्सर बिना समुचित योजना के हुआ है। हरित क्षेत्रों का सिकुड़ना, जल निकायों का अतिक्रमण, अनियंत्रित कंक्रीटीकरण और कमजोर जल निकासी व्यवस्था ने शहरों की प्राकृतिक जलवायु सहनशीलता को कम कर दिया है। परिणामस्वरूप थोड़ी सी अधिक वर्षा भी व्यापक जलभराव और बाढ़ का कारण बन जाती है, जबकि लंबे समय तक वर्षा न होने पर गंभीर जल संकट उत्पन्न हो जाता है। बढ़ते तापमान ने शहरी 'हीट आइलैंड' प्रभाव को और तीव्र बना दिया है, जिससे शहर ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक गर्म हो जाते हैं।

यह स्थिति केवल प्राकृतिक कारणों का परिणाम नहीं है। यह शहरी शासन की कमियों को भी दशार्ती है। अनेक नगर निकायों के पास न तो पर्याप्त वित्तीय संसाधन हैं और न ही जलवायु परिवर्तन के अनुरूप दीर्घकालिक योजना बनाने की क्षमता। विभिन्न विभागों के बीच समन्वय का अभाव, डेटा आधारित निर्णयों की कमी और अल्पकालिक विकास परियोजनाओं पर अत्यधिक निर्भरता ने समस्या को और जटिल बना दिया है।

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव समाज के सभी वर्गों पर समान रूप से नहीं पड़ता। आर्थिक रूप से कमजोर और सामाजिक रूप से वंचित वर्ग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन को अब 'क्लाइमेट जस्टिस' अर्थात जलवायु न्याय के दृष्टिकोण से भी देखा जा रहा है। जिन लोगों का कार्बन उत्सर्जन सबसे कम है, वही इसके सबसे गंभीर परिणाम भुगत रहे हैं।

अनौपचारिक क्षेत्र भारतीय शहरी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। विभिन्न आकलनों के अनुसार शहरों में कार्यरत अधिकांश श्रमिक असंगठित या अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़े हैं। उनके पास स्थायी रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य बीमा या पेंशन जैसी सुविधाएँ नहीं होतीं। उनकी आय प्रतिदिन के कार्य पर निर्भर करती है। ऐसे में जलवायु परिवर्तन उनके लिए केवल

मौसम का बदलाव नहीं बल्कि आजीविका का संकट बन जाता है।

जब भीषण गर्मी पड़ती है, निर्माण कार्य धीमे हो जाते हैं, सड़क विक्रेताओं की बिक्री घट जाती है, रिक्शा और ई-रिक्शा चालक कम समय तक काम कर पाते हैं तथा दिहाड़ी मजदूरों की आय प्रभावित होती है। दूसरी ओर, अत्यधिक वर्षा और शहरी बाढ़ से बाजार बंद हो जाते हैं, परिवहन बाधित होता है और लाखों लोगों की रोजी-रोटी ठप पड़ जाती है। अधिकांश अनौपचारिक श्रमिकों के पास आय का कोई वैकल्पिक स्त्रोत नहीं होता। परिणामस्वरूप वे कर्ज, भूख और आर्थिक असुरक्षा के दुष्चक्र में फंस जाते हैं।

शहरों की झुग्गी बस्तियाँ जलवायु संकट का सबसे बड़ा केंद्र बन चुकी हैं। अधिकांश झुग्गियाँ नदी किनारे, नालों के आसपास या निम्न-स्तरीय भूमि पर स्थित होती हैं, जहाँ बाढ़ और जलभराव का खतरा अधिक रहता है। इन क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल, सीवरेज, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव होता है। भारी वर्षा के बाद दूषित जल फैलने से डेंगू, मलेरिया, हैजा और अन्य जलजनित रोग तेजी से फैलते हैं। गर्मी के दौरान टिन की छतों वाले छोटे घर असहनीय तापमान तक गर्म हो जाते हैं, जिससे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है।

स्वच्छता कार्यकताओं की स्थिति और भी चिंताजनक है। वे प्रतिदिन कचरा संग्रह, नालों की सफाई, सीवर प्रबंधन और अपशिष्ट निस्तारण जैसे कार्य करते हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण अत्यधिक गर्मी, दूषित जल और चरम वर्षा जैसी परिस्थितियाँ उनके कार्य को और अधिक जोखिमपूर्ण बना रही हैं। अनेक स्थानों पर आज भी पर्याप्त सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं हैं। हीट स्ट्रेस, संक्रमण, त्वचा रोग, श्वसन संबंधी बीमारियाँ और जहरीली गैसों का खतरा लगातार बना रहता है। विडंबना यह है कि शहरों की स्वच्छता बनाए रखने वाले ये कर्मचारी स्वयं सुरक्षित कार्य परिस्थितियों से वंचित हैं।

भारत में मैनुअल स्कैवेंजिंग पर कानूनी प्रतिबंध होने के बावजूद समय-समय पर सीवरों में दम घुटने से होने वाली मौतें यह दशार्ती हैं कि कानून और वास्तविकता के बीच अभी भी बड़ा अंतर है। जलवायु परिवर्तन के कारण भारी वर्षा के समय सीवरों और नालों की सफाई का दबाव बढ़ जाता है, जिससे जोखिम और बढ़ जाता है।

महिलाएँ जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को अलग प्रकार से झेलती हैं। अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत महिलाएँ घरेलू जिम्मेदारियों के साथ आर्थिक गतिविधियों में भी भाग लेती हैं। जल संकट बढ़ने पर पानी लाने का अतिरिक्त बोझ अक्सर महिलाओं पर ही पड़ता है। बाढ़ या गर्मी के दौरान स्वास्थ्य संबंधी जोखिम भी अधिक बढ़ जाते हैं।

गर्भवती महिलाओं, छोटे बच्चों और बुजुर्गों की देखभाल का अतिरिक्त भार भी महिलाओं को ही उठाना पड़ता है। प्रवासी श्रमिक जलवायु संकट के सबसे अदृश्य पीड़ितों में हैं। वे प्रायः अस्थायी आवासों में रहते हैं, जहाँ मूलभूत सुविधाओं का अभाव होता है। अत्यधिक गर्मी, वर्षा या बाढ़ के समय उनके पास सुरक्षित आश्रय नहीं होता। रोजगार रुकने पर वे आय और भोजन दोनों के संकट से जूझते हैं। महामारी के दौरान यह स्थिति स्पष्ट रूप से सामने आई थी और जलवायु परिवर्तन भविष्य में ऐसी परिस्थितियों को और गंभीर बना सकता है।

शहरी शासन की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि जलवायु परिवर्तन को अक्सर केवल पर्यावरण विभाग या वन विभाग का विषय मान लिया जाता है, जबकि इसका संबंध स्वास्थ्य, परिवहन, आवास, रोजगार, जल प्रबंधन, सामाजिक सुरक्षा और आपदा प्रबंधन सहित लगभग सभी क्षेत्रों से है। यदि नगर नियोजन में जलवायु जोखिमों को शामिल नहीं किया जाएगा, तो भविष्य की समस्याएँ और गंभीर होंगी।

आज आवश्यकता ऐसे शहरों की है जो केवल स्मार्ट न हों, बल्कि जलवायु-सहिष्णु और सामाजिक रूप से समावेशी भी हों। इसके लिए हरित अवसंरचना का विस्तार, वर्षा जल संचयन, शहरी जल निकायों का संरक्षण, हरित पट्टियों का विकास, छायादार सार्वजनिक स्थान, प्रभावी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और आधुनिक जल निकासी प्रणाली विकसित करनी होगी। साथ ही प्रत्येक शहर के लिए स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप हीट एक्शन प्लान और बाढ़ प्रबंधन रणनीति तैयार करनी होगी।

अनौपचारिक श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाना भी उतना ही आवश्यक है। स्वास्थ्य बीमा, दुर्घटना बीमा, आय सहायता, कौशल विकास और जलवायु जोखिम बीमा जैसी व्यवस्थाएँ उन्हें संकट के समय सुरक्षा प्रदान कर सकती हैं।

सड़क विक्रेताओं, कचरा बीनने वालों और अन्य अनौपचारिक श्रमिकों को शहरी योजनाओं में भागीदार बनाया जाना चाहिए। स्वच्छता कार्यकताओं के लिए यंत्रीकरण को प्राथमिकता देना समय की मांग है। सीवर और नालों की सफाई में मशीनों का अधिकतम उपयोग, गुणवत्तापूर्ण सुरक्षा उपकरण, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और सम्मानजनक कार्य परिस्थितियाँ सुनिश्चित की जानी चाहिए। यह केवल श्रम अधिकारों का प्रश्न नहीं, बल्कि मानव गरिमा का विषय भी है।

जलवायु परिवर्तन के समाधान में नागरिकों की भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। जल संरक्षण, ऊर्जा दक्षता, सार्वजनिक परिवहन, कचरा पृथक्करण, वृक्षारोपण और स्थानीय स्तर पर पर्यावरण संरक्षण जैसे प्रयास शहरों को अधिक टिकाऊ बना सकते हैं। लेकिन इन प्रयासों का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा जब शासन पारदर्शी, उत्तरदायी और समावेशी होगा।

अंततः यह समझना आवश्यक है कि जलवायु परिवर्तन केवल तापमान बढ़ने की कहानी नहीं है। यह उन असमानताओं का दर्पण है जो हमारे शहरों में पहले से मौजूद हैं। यदि विकास का लाभ समान रूप से नहीं पहुँचेगा और कमजोर वर्गों को सुरक्षा नहीं मिलेगी, तो जलवायु संकट सामाजिक अन्याय को और गहरा करेगा।

इसलिए भारत के शहरी भविष्य की सफलता केवल ऊँची इमारतों, चौड़ी सड़कों और स्मार्ट तकनीक से नहीं मापी जाएगी, बल्कि इस बात से तय होगी कि हमारे शहर अपने सबसे कमजोर नागरिकों—अनौपचारिक श्रमिकों और स्वच्छता कार्यकताओं—को कितना सुरक्षित, सम्मानजनक और न्यायपूर्ण जीवन प्रदान कर पाते हैं।

जलवायु परिवर्तन का मुकाबला केवल पर्यावरणीय उपायों से संभव नहीं है। इसके लिए संवेदनशील शासन, सामाजिक न्याय, समावेशी शहरी नियोजन और मानव गरिमा पर आधारित विकास मॉडल की आवश्यकता है। यही वह मार्ग है जो भारतीय शहरों को वास्तव में टिकाऊ, न्यायपूर्ण और भविष्य के लिए सक्षम बना सकता है।

# नई संवैधानिक सर्जरी: सत्ता से अपराध की सीधी विदाई

प्रो. आरके जैन
लेखक

भारतीय राजनीति की सबसे ऊंची कुर्सियों के लिए अब केवल जनादेश पर्याप्त नहीं रहेगा, बल्कि कानून की कसौटी पर खरा उतरना भी अनिवार्य होगा। संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 (जो अगस्त 2025 में लोकसभा में पेश किया गया) इसी नई व्यवस्था का संकेत देता है। इसके अनुसार यदि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या कोई मंत्री ऐसे गंभीर अपराध में, जिसमें पांच वर्ष या उससे अधिक की सजा का प्रावधान है, लगातार तीस दिनों तक न्यायिक हिरासत में रहता है, तो उसे इकतीसवें दिन पद छोड़ना होगा। इस्तीफा न देने पर उसका पद स्वतः समाप्त हो जाएगा। यह संशोधन केवल कानूनी बदलाव नहीं, बल्कि उस राजनीतिक संस्कृति पर प्रहार है, जिसमें जेल से भी सत्ता संचालित होती रही। संदेश स्पष्ट है—लोकतंत्र में जनादेश सम्मान देता है, पर पद पर बने रहने का अधिकार अंततः कानून और जनविश्वास ही तय करेंगे।

इस विधेयक की सबसे बड़ी ताकत यह है कि उसने जवाबदेही को समय-सीमा से बांध दिया है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के लिए निर्धारित अवधि पूरी होते ही पद छोड़ना अनिवार्य होगा। मंत्रियों के मामले में राष्ट्रपति या राज्यपाल, प्रधानमंत्री अथवा मुख्यमंत्री की सलाह पर कार्रवाई करेंगे, लेकिन सलाह न आने पर भी पद स्वतः समाप्त हो जाएगा। अर्थात अब संवैधानिक व्यवस्था किसी राजनीतिक निर्णय की बंधक नहीं रहेगी। यह प्रावधान सर्वोच्च न्यायालय के लिली थॉमस निर्णय की भावना को आगे बढ़ाता है, जिसने दोषसिद्धि पर तत्काल अयोग्यता का सिद्धांत स्थापित किया था। रेप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपल एक्ट, 1951 पहले से दोषसिद्ध जनप्रतिनिधियों को अयोग्य ठहराता है, किंतु नया संशोधन जवाबदेही की शुरूआत दोषसिद्धि के बाद नहीं, बल्कि गंभीर मामलों में लंबी न्यायिक हिरासत से ही कर देता है। यही इसे अब तक की व्यवस्थाओं से अलग और अधिक प्रभावी बनाता है। यदि यह संशोधन प्रभावी ढंग से लागू हुआ, तो राजनीति की कार्यसंस्कृति बदल सकती है। अपराधीकरण और भ्रष्टाचार पर

इसका सीधा प्रहार होगा, क्योंकि गंभीर मामलों में लंबी न्यायिक हिरासत अब केवल कानूनी संकट नहीं, बल्कि सत्ता से विदाई का कारण भी बन सकती है। इससे स्वच्छ छवि वाले नेतृत्व को अवसर मिलेगा, ईमानदार युवाओं का भरोसा बढ़ेगा और जनता का विश्वास मजबूत होगा कि कानून से ऊपर कोई नहीं। शासन का ध्यान व्यक्तिगत मुकदमों से हटकर विकास और सुशासन पर केंद्रित रहेगा। उल्लेखनीय है कि यह स्थायी दंड नहीं है; न्यायिक राहत मिलने पर पुनर्नियुक्ति संभव होगी। इसलिए यह व्यवस्था प्रतिशोध नहीं, बल्कि सार्वजनिक पद की गरिमा और जवाबदेही को सुरक्षित रखने का निवारक उपाय अधिक है। इसी कारण कुछ संवैधानिक विशेषज्ञ इसे भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानते हैं। सिक्के का दूसरा पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या केवल लंबी न्यायिक हिरासत, बिना दोषसिद्धि के, किसी निर्वाचित प्रतिनिधि को पद से हटाने का आधार बन सकती है, जबकि न्याय का मूल सिद्धांत प्रत्येक व्यक्ति को दोष सिद्ध होने तक निर्दोष मानता है। विपक्ष और अनेक विधि विशेषज्ञों को आशंका है कि जांच एजेंसियों पर राजनीतिक प्रभाव बढ़ने पर यह प्रावधान विरोधियों को सत्ता से हटाने का हथियार बन सकता है। विशेषकर विपक्ष शासित राज्यों में इससे केंद्र-राज्य संबंधों में तनाव बढ़ने की आशंका है। इसलिए इस संशोधन की वास्तविक कसौटी उसकी कठोरता नहीं, बल्कि निष्पक्ष और दुरुपयोग-मुक्त क्रियान्वयन होगी। इस बदलाव का असर केवल व्यक्तियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सरकारों की स्थिरता पर भी पड़ेगा। छोटे बहुमत वाली सरकारों में यदि मुख्यमंत्री या कई मंत्री एक साथ पद छोड़ने को विवश हुए, तो सत्ता का संतुलन बदल सकता है और नए राजनीतिक समीकरण उभर सकते हैं। समर्थकों का तर्क है कि यदि किसी सरकार की स्थिरता गंभीर मामलों में जेल में बंद नेताओं पर टिकी है, तो ऐसी स्थिरता लोकतंत्र के हित में नहीं मानी जा सकती। इसलिए असली चुनौती सरकार बचाने की नहीं, बल्कि शासन की विश्वसनीयता बनाए रखने की है। आखिर लोकतंत्र केवल सरकारों के टिके रहने से नहीं, बल्कि जनता के अटूट विश्वास से मजबूत होता है। यह विधेयक भारतीय राजनीति को दो खेमों में बांट चुका है और जेपीसी में इस पर बहस जारी है। सत्तापक्ष इसे भ्रष्टाचार-मुक्त शासन की दिशा में ऐतिहासिक कदम मानता है, जबकि विपक्ष इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर आघात बताता है। इसलिए संसदीय समिति की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वह सभी प्रावधानों की गहन समीक्षा कर दुरुपयोग रोकने के लिए प्रभावी सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करे। सर्वोच्च न्यायालय स्पष्ट कर चुका है कि सांसद और विधायक विशेषाधिकार प्राप्त शासक नहीं, बल्कि जनता के प्रति जवाबदेह जनसेवक हैं। अतः यह संशोधन तभी सफल माना जाएगा जब जवाबदेही और न्याय का संतुलन बना रहे। वर्तमान में जेपीसी इस विधेयक की जांच कर रही है और जुलाई 2026 के मध्य तक रिपोर्ट पेश करेगी। इस संशोधन के दूरगामी प्रभाव राजनीति की कार्यसंस्कृति में भी दिखाई दे सकते हैं। दलों को स्वच्छ छवि और कानूनी रूप से निर्विवाद नेताओं को प्राथमिकता देनी होगी, जिससे नए नेतृत्व के उभरने की संभावनाएं बढ़ेंगी और जनता की अपेक्षाएं भी बदलेंगी। तब यह संशोधन केवल कानून नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति में बदलाव का आधार बन सकता है। लेकिन यदि जांच एजेंसियों की निष्पक्षता संदेह के घेरे में रही, तो यही व्यवस्था लोकतांत्रिक टकराव और राजनीतिक अविश्वास का कारण भी बन सकती है। अंतिम कसौटी कानून बनाने की नहीं, उसे निष्पक्षता से लागू करने की होती है। संविधान (130वां संशोधन) विधेयक भी उसी परीक्षा से गुजरेगा। यदि इसका संतुलित और निष्पक्ष क्रियान्वयन सुनिश्चित हुआ, तो यह स्वच्छ शासन, उत्तरदायी नेतृत्व और कानून की सर्वोच्चता का नया अध्याय लिखेगा। लेकिन यदि इसका दुरुपयोग हुआ, तो यही कानून लोकतांत्रिक विवादों का केंद्र बन जाएगा।

# लखनऊ में आयोजित तीन दिवसीय आम महोत्सव

हरेन्द्र शर्मा

**हापुड़(वेलकम इंडिया)।** हापुड़ जनपद के गढ़मुक्तेश्वर तहसील के किसान उत्पादक संगठन (ऋढड) ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। प्रदेश के प्रगतिशील आम उत्पादकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस में जनपद हापुड़ के एफपीओ को मुख्यमंत्री के द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान जनपद के आम उत्पादकों की मेहनत,नवाचार एवं उद्यान विभाग हापुड़ के सतत मार्गदर्शन का परिणाम है।

इस उपलब्धि में जनपद हापुड़ के जिला उद्यान विभाग के द्वारा किसानों को आधुनिक बागवानी तकनीकों, गुणवत्तापूर्ण उत्पादन, जैविक खेती, समूह आधारित विपणन तथा एफपीओ सशक्तिकरण के क्षेत्र में किए गए निरंतर प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विभाग के मार्गदर्शन में किसानों ने गुणवत्तायुक्त एवं बाजारोन्मुखी आम उत्पादन की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। महोत्सव के तीसरे दिन राजभवन, लखनऊ में आयोजित होने वाली बायर-सेलर मीट में हापुड़ जनपद के प्रगतिशील कृषक हर्षवर्धन त्या गी प्रदेश भर के उद्यान विशेषज्ञों, व्यापारियों एवं निर्यातकों के समक्ष जैविक आम उत्पादन, गुणवत्ता प्रबंधन, एफपीओ मॉडल तथा विपणन के क्षेत्र में अपने अनुभव साझा करेंगे। उनका संबोधन अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणास्रोत होगा तथा हापुड़ के आम को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में नई पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा। जिला उद्यान अधिकारी, हापुड़ ने कहा कि जनपद के आम उत्पादकों को उच्च गुणवत्ता, जैविक उत्पादन, मूल्य संवर्धन तथा बेहतर विपणन से जोड़ने के लिए विभाग निरंतर कार्य कर रहा है। यह सम्मान केवल एक एफपीओ का नहीं, बल्कि पूरे जनपद हापुड़ के बागवानी क्षेत्र की उपलब्धि है। विभाग भविष्य में भी किसानों की आय बढ़ाने तथा हापुड़ को उत्कृष्ट आम उत्पादन के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

# काउंसिलिंग के दौरान हंगामा, शांति व्यवस्था भंग करने पर तीन गिरफ्तार

राजीव मोंगरा

**सहारनपुर(वेलकम इंडिया)।** महिला थाना मिशन शक्ति टीम द्वारा पारिवारिक विवाद की काउंसिलिंग के दौरान शांति व्यवस्था भंग होने पर पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के खिलाफ बीएनएसएस की धारा 170, 126 व 135 के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश किया जा रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी कार्यालय के निकट पर्यवेक्षण में तथा महिला थाना प्रभारी निरीक्षक कुसुम भाटी राणा के नेतृत्व में शुक्रवार को की गई। पुलिस के अनुसार महिला थाना में चल रही काउंसिलिंग के दौरान दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया, जिससे शांति व्यवस्था प्रभावित होने की स्थिति उत्पन्न हो गई। इस पर पुलिस ने प्रथम पक्ष के आदेश पुत्र महावीर निवासी अहमदपुर, थाना रामपुर मनिहारान तथा द्वितीय पक्ष की मुकेश पत्नी रविंद्र निवासी आनंद विहार, थाना सदर बाजार और मीनू पत्नी आदेश निवासी अहमदपुर, थाना रामपुर मनिहारान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने तीनों आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करते हुए उन्हें समय से न्यायालय के समक्ष पेश करने की प्रक्रिया पूरी की। इस कार्रवाई में महिला थाना प्रभारी निरीक्षक कुसुम भाटी राणा, उपनिरीक्षक महीपाल सिंह, महिला उपनिरीक्षक रंजीता सैनी, हेड कांस्टेबल सोहनवीर तथा महिला कांस्टेबल वर्षा रानी शामिल रहीं।

# कांवड़ यात्रा से पूर्व जिलाधिकारी ने प्रमुख शिव मंदिरों का किया औचक निरीक्षण, दिए सुरक्षा एवं सुविधा के निर्देश

हरेन्द्र शर्मा

**हापुड़(वेलकम इंडिया)।** हापुड़ जनपद में श्रावण मास में कांवड़ यात्रा एवं जलाभिषेक के दृष्टिगत आज जिलाधिकारी कविता मीना व पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने जनपद के प्रमुख शिव मंदिरों - [कल्यानेश्वर महादेव मंदिर एवं भूतेश्वर महादेव मंदिर] का स्थलीय निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने मंदिर परिसर में बैरिकेडिंग, भीड़ प्रबंधन, पेयजल, प्रकाश एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए की मंदिरों में शिव भक्तों को किसी भी प्रकार की है असुविधा नहीं होनी चाहिए उसके लिए समय से ही मंदिर में सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करना सुनिश्चित करें।

# सौ दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान का सफलतापूर्वक हुआ समापन

हरेन्द्र शर्मा

**हापुड़(वेलकम इंडिया)।** हापुड़ जनपद में भारत सरकार के द्वारा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के द्वारा 24 मार्च 2026 से संचालित सौ दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान का जनपद में सफलतापूर्वक समापन किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ किशोर कुमार आहूजा ने बताया कि अभियान का उद्देश्य क्षय रोग (टीबी) के रोगियों की शीघ्र पहचान, जांच, उपचार तथा जनसामान्य में टी0बी0 के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा जनपद के विभिन्न शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर टी0बी0 स्क्रीनिंग, संभावित रोगियों की पहचान, सैंपल संग्रहण एवं निःशुल्क जांच की गई। साथ ही टीबी रोगियों को उपचार हेतु आवश्यक परामर्श एवं दवाएं उपलब्ध कराई गईं। अभियान के अंतर्गत उच्च जोखिम वाले समूहों पर विशेष ध्यान देते हुए सेन्ट्रल टी 0बी0 डिवीजन दिल्ली द्वारा चिन्हित 85 ग्रामों में घर-घर जाकर स्क्रीनिंग कार्य भी संपन्न किया गया। चिन्हित ग्रामों के अलावा होटलों एवम् कंपनियों आदि को मिलाकर कुल 205 स्क्रीनिंग शिविरों का आयोजन किया गया है शिविरों में 21820 लोगो की स्क्रीनिंग की गई जिसमें हैंड हेल्ड x रे मशीनों के द्वारा 15943 लोगो का x रे कराया गया जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ राजेश सिंह ने बताया कि जनपद में अभियान के दौरान निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप प्रभावी कार्य किया गया तथा बड़ी संख्या में लोगों को टीबी के लक्षणों, बचाव एवं उपचार के संबंध में जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि टीबी एक पूर्णतः उपचार योग्य बीमारी है और समय पर जांच एवं नियमित उपचार से इसे पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। जिले प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग,निजी चिकित्सकों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं सहयोगी विभागों के संयुक्त प्रयासों से अभियान को सफल बनाया गया। अभियान के समापन अवसर पर सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के योगदान की सराहना की गई। उप जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ कृष्ण कुमार शर्मा द्वारा समस्त स्वास्थ्य विभाग की और से जनपदवासियों से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को दो सप्ताह से अधिक समय से खांसी, बुखार, वजन कम होना, रात में पसीना आना अथवा अन्य टीबी संबंधी लक्षण दिखाई दें तो निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर निःशुल्क जांच कराएं तथा टी0बी 0 मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करें।

# बाबूगढ़ ऑपरेशन शस्त्र अभियान में बाबूगढ़ पुलिस को सफलता,अवैध तमंचे के साथ एक गिरफ्तार

हरेन्द्र शर्मा

**हापुड़(वेलकम इंडिया)।** हापुड़ जनपद में बाबूगढ़ थाना पुलिस ने अपराध एवं अवैध हथियारों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस उपमहानिरीक्षक, मेरठ परिक्षेत्र के निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन शस्त्र अभियान के तहत थाना बाबूगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। जिले के पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानेंजय सिंह आदेशानुसार बाबूगढ़ पुलिस के द्वारा चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को रोककर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा (असलहा) बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने अभियुक्त को मौके से गिरफ्तार कर लिया। बाबूगढ़ पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है तथा आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही यह भी कहा गया है कि जनपद में अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

# क्रीड़ाधिकारी राहुल चोपड़ा ने बेस्ट बॉक्सर अनिक बाबरा और कोच प्रवीन कुमार को किया सम्मानित

राजीव मोंगरा

**सहारनपुर(वेलकम इंडिया)।** 5वीं अंडर-15 सब जूनियर नेशनल बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन पंजाब के जालंधर स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में 22 से 29 जून तक किया गया। जिसमे ऐतिहासिक सफलता अर्जित करने वाले मुक्केबाज अनिक बाबरा और उनके कोच प्रवीन कुमार का डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित स्वागत समारोह में जोरदार स्वागत किया गया।

उत्तर प्रदेश के लिए स्वर्ण पदक जीतने के साथ-साथ प्रतियोगिता में बेस्ट बॉक्सर का प्रतिष्ठित खिताब जीतने वाले अनिक की इस सफलता पर क्रीड़ाधिकारी राहुल चोपडा और खेल प्रशिक्षकों ने उन्हें फूलों की माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर बधाई दी।

क्रीड़ाधिकारी राहुल चोपडा ने मुक्केबाज अनिक बाबरा के उत्कृष्ट प्रदर्शन और कोच प्रवीन कुमार के प्रशिक्षण की जमकर सराहना की। उन्होंने बताया कि मूल रूप से मेरठ निवासी अनिक बाबरा वर्तमान में डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम में बॉक्सिंग कोच प्रवीन कुमार के निर्देशन में नियमित अभ्यास और प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उन्होने मुक्केबाज अनिक बाबरा और उनके बॉक्सिंग कोच प्रवीन कुमार को शुभकामनाएं देकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

क्रीडाधिकारी राहुल चोपडा बताया कि लगभग 25 वर्ष बाद उत्तर प्रदेश के किसी मुक्केबाज ने राष्ट्रीय सब जूनियर बॉक्सिंग प्रतियोगिता में बेस्ट बॉक्सर का खिताब अपने नाम किया है। बॉक्सिंग कोच प्रवीन कुमार ने बताया कि अनिक की यह सफलता उसकी कड़ी मेहनत और अनुशासन का परिणाम है।

उनके शानदार प्रदर्शन के आधार पर प्रतियोगिता में उन्हे सर्वश्रेष्ठ बॉक्सर घोषित किया गया। इससे पहले वर्ष 2025 में नोएडा में आयोजित चौथी सब जूनियर राष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में भी अनिक ने रजत पदक जीतकर अपने खेल का परचम लहराया था।

कोच प्रवीन कुमार ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि देश भर के दिग्गज खिलाड़ियों के बीच बेस्ट बॉक्सर का पुरस्कार जीतना बेहद गर्व की बात है।

अनिक बाबरा की इस सफलता से खेल जगत में खुशी की लहर है। उनकी इस उपलब्धि पर क्रीड़ाधिकारी राहुल चोपड़ा, भारतीय मुक्केबाजी संघ के महासचिव प्रमोद कुमार, जिला बॉक्सिंग संघ मुजफ्फरनगर के सचिव सतीश सहरावत, जिला बॉक्सिंग संघ सहारनपुर के अध्यक्ष अमित जैन, सचिव रितु देवी, विशेष तोमर, सोनू मलिक, अंकित बाबरा, राकेश धामीजा, लाल धर्मेंद्र प्रताप, जयेंद्र कुमार, पुनीत आर्य, सन्नी कुमार, रुपेश कुमार, आकाश कुमार, आदेश कुमार, गौरव मलिक, पुष्पेंद्र, शिवनंदन, भावना तोमर, सुप्रिया, जयश्री गुप्ता सहित अनेक खेल प्रेमियों ने अनिक बाबरा और उनके कोच प्रवीन कुमार को शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

# फर्जी सीमेंट कंपनी के नाम पर ठगे गए 5 लाख रुपये पीड़ित को वापस कराए

राजीव मोंगरा

**सहारनपुर(वेलकम इंडिया)।** जनपद की थाना साइबर क्राइम टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए साइबर फ्रॉड के शिकार हुए एक पीड़ित की ठगी गई रकम में से पांच लाख रुपये वापस कराने में बड़ी सफलता हासिल की है। अपनी डूबी हुई रकम वापस पाकर पीड़ित ने सहारनपुर पुलिस का आभार व्यक्त किया है।

जानकारी के अनुसार, न्यू शारदा नगर (निकट एयरटेल टावर) के रहने वाले समीर पाण्डेय (पुत्र सुरेन्द्र प्रताप पाण्डेय) ने एक अज्ञात व्यक्ति से फोन पर संपर्क किया था। जालसाज ने खुद को एक ईंट और सीमेंट कंपनी का प्रतिनिधि बताकर पीड़ित को अपने झांसे में ले लिया। जालसाज के झांसे में आकर समीर पाण्डेय ने सामान खरीदने के नाम पर उसके खातों में कुल 7,00000 (सात लाख) रुपये ट्रांसफर कर दिए। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने दिसंबर 2025 में थाना साइबर क्राइम, सहारनपुर में इसकी लिखित शिकायत दर्ज कराई थी।

शिकायत मिलते ही साइबर क्राइम पुलिस टीम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत तकनीकी जांच शुरू की और बैंक खातों को ट्रैक किया। पुलिस की त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के चलते ठगी गई कुल रकम में से 5,00,000 (पांच लाख) रुपये की धनराशि को सफलतापूर्वक फ्रीज करवाकर पीड़ित समीर पाण्डेय के खाते में वापस ट्रांसफर करा दिया गया। मेहनत की कमाई वापस मिलने पर पीड़ित समीर पाण्डेय ने सहारनपुर पुलिस और साइबर सेल की टीम का दिल से धन्यवाद किया है। पुलिस अब इस मामले के मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए आगे की जांच कर रही है।

# खाद्य विभाग की बड़ी छापेमार कार्रवाई, विभिन्न प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों के लिए नमूने

राजीव मोंगरा

**सहारनपुर(वेलकम इंडिया)।** सहारनपुर में खाद्य विभाग की बड़ी छापेमार कार्रवाई, विभिन्न प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए जिलाधिकारी महोदय के आदेश एवं अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) महोदय के निर्देशों के क्रम में जनपद सहारनपुर में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा व्यापक छापेमार अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान शहर क्षेत्र में सिटी मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में तथा ग्रामीण क्षेत्रों में संबंधित उपजिलाधिकारियों के निर्देशन में खाद्य विभाग की टीम ने विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने जांच हेतु संग्रहित किए।

शहर के गिल कॉलोनी स्थित कबाबगढ़ रेस्टोरेंट से लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर एवं पनीर के नमूने संदेह के आधार पर लिए गए। वहीं नकुल तहसील क्षेत्र में प्रिया स्वीट्स से बर्फी तथा एक मिठाई की दुकान से गुलाब जामुन का नमूना लिया गया। रामपुर मनिहारान स्थित शर्मा डेयरी से पनीर का नमूना, देवबंद स्थित मलिक डेयरी से दूध एवं दही के नमूने, कैलाशपुर स्थित सुनील मिष्ठान भंडार से रसगुल्ला तथा गागलहेड़ी स्थित इंडियन स्वीट्स से घेवर का नमूना जांच के लिए संग्रहित किया गया।

मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज कुमार गुप्ता ने बताया कि अभियान के दौरान लिए गए सभी नमूनों को परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेज दिया गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि जनपद में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

इस अभियान में खाद्य सुरक्षा अधिकारी जवाहरलाल, जगदंबा प्रसाद, अमित कुमार गौतम, शिव नाथ सिंह, सुमन पाल, कुलदीप तिवारी, महेश कुमार सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यवाही देर शाम तक लगातार जारी है।

# 300 ग्राम चरस के साथ दो नशा तस्कर गिरफ्तार

राजीव मोंगरा

**सहारनपुर(वेलकम इंडिया)।** जनपद में नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे ष्ऑपरेशन सवेरा द्द नशे के अंधकार से जीवन के उजाले की ओर अभियान के तहत थाना मंडी पुलिस ने दो शातिर नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से कुल 300 ग्राम अवैध चरस बरामद की है। पुलिस उपमहानिरीक्षक, सहारनपुर परिक्षेत्र के निर्देशन में चलाए जा रहे इस विशेष अभियान के अंतर्गत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर के निर्देश पर जनपद पुलिस लगातार नशा तस्करों के विरुद्ध सघन चेकिंग एवं कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी नगर प्रथम के निकट पर्यवेक्षण तथा थाना मंडी प्रभारी निरीक्षक सतपाल सिंह भाटी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 2 जुलाई 2026 को मुखबिर की सूचना पर चेकिंग के दौरान दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विकास उर्फ बन्टी करनवाल पुत्र अतर सिंह निवासी रामनगर, मल्हीपुर रोड, थाना कोतवाली देहात तथा रवि उर्फ विक्की पुत्र धनराज निवासी नवाबगंज रोड, शहंशाह डेरी, थाना कोतवाली नगर, सहारनपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने विकास के कब्जे से 160 ग्राम तथा रवि के कब्जे से 140 ग्राम अवैध चरस बरामद की। कुल 300 ग्राम चरस की बरामदगी के आधार पर थाना मंडी में मु0अ0सं0 328ध्2026 के तहत धारा 8ध्20 एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों के मादक पदार्थों के अवैध कारोबार से जुड़े फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंक की भी जांच की जा रही है, ताकि पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जा सके। गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार विकास उर्फ बन्टी के खिलाफ पहले से चोरी, धोखाधड़ी, जालसाजी, आर्म्स एक्ट तथा बीएनएस की गंभीर धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं।

वहीं रवि उर्फ विक्की के खिलाफ भी पूर्व में आर्म्स एक्ट का मुकदमा दर्ज है। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक सतपाल सिंह भाटी, उपनिरीक्षक उपेन्द्र सिंह, उपनिरीक्षक जगपाल सिंह, हेड कांस्टेबल कपिल कुमार, हेड कांस्टेबल महबूब अली तथा कांस्टेबल रवि कुमार शामिल रहे।

# ब्रेनवेव्स स्कूल में जिला स्तरीय समन्वय वरिष्ठ वर्ग का तैराकी चैन ट्रायल किया गया

हरेन्द्र शर्मा

**हापुड़(वेलकम इंडिया)।** हापुड़ जनपद में ब्रेन वेव्स स्कूल में जिला स्तरीय समन्वय वरिष्ठ वर्ग का तैराकी चैन ट्रायल जिला खेल अधिकारी अरुणा एवं रामानंद राय, सचिव जिला तैराकी संघ हापुड़ की देखरेख में आयोजित किए गया, जिसमें जिले के तैराकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इसमें सीनियर महिला और पुरुष में निम्न बच्चे चैन ट्रायल में सिलेक्ट हुए। पुरुष वर्ग में वरुण 100 , 50 मीटर फ्रीस्टाइल।आलेख त्यागी 100 , 50 मीटर फ्रीस्टाइल। महिला वर्ग में पीहुल चौधरी 50 , 400 , 800, 1500 मीटर फ्रीस्टाइल एवं 200 मी आईएम।खुशी आर्या 100 मीटर फ्रीस्टाइल 50 मीटर बैक। पारुल 50 मीटर फ्री स्टाइल। चयनित खिलाड़ियों को 7 तारीख को नोएडा में मंडलीय ट्रायल में भाग लेंगे।

इस अवसर पर रामानंद राय सचिव स्विमिंग एसोसिएशन, ब्रेनवेव्स स्कूल के डायरेक्टर वैभव गोयल और अकादमिक डायरेक्टर विधु गोयल, स्विमिंग कोच राजीव वर्मा, बनर्जी भारती, वंश एवं प्रीति चौधरी आदि मौजूद रहे । स्कूल के प्रशासन का इस आयोजन में महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

# उत्तराखण्ड सरकार एवं यूएनडीपी के मध्य चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों पर चर्चा हुई

वेलकम इंडिया संवाददाता

**देहरादून।** मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन से आज सचिवालय में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की भारत में डिप्टी रेजिडेंट रिप्रेजेंटेटिव सुईजाबेल ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उत्तराखण्ड सरकार एवं यूएनडीपी के मध्य चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों पर चर्चा हुई।

मुख्य सचिव ने उत्तराखण्ड में सुईजाबेल एवं उनकी टीम का स्वागत किया। कुछ विशेष क्षेत्रों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि स्किल एवं रोजगार, कार्बन क्रेडिट, डिजिटाईजेशन एवं ऑनलाइन सिस्टम का विकास एवं बच्चे के जन्म से ट्रैकिंग सिस्टम लागू करने के लिए यूएनडीपी की विशेषज्ञता का लाभ प्रदेश को हो सकता है।

उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड की साक्षरता दर बहुत अच्छी है, यहां युवाओं को कौशल विकास पर कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने यूएनडीपी से प्रदेश में कौशल विकास के साथ आजीविका के क्षेत्र में कार्य किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि उत्तरखण्ड में कौशल विकास एवं रोजगार पर विशेष फोकस किए जाने की आवश्यकता है। मुख्य सचिव ने यूएनडीपी से कार्बन क्रेडिट के क्षेत्र में भी सहयोग किए जाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड एक हिमालयी राज्य है, जिसमें 70 प्रतिशत फॉरेस्ट लैण्ड है। यह पर्यावरण की दृष्टि से काफी महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने प्रदेश में डिजिटल और ऑनलाइन सिस्टम को बढ़ाने एवं बच्चे के जन्म से ही ट्रैकिंग सिस्टम लागू करने के संबंध में यूएनडीपी से सहयोग की बात कही। यूएनडीपी की सुईजाबेल ने बताया कि यूएनडीपी प्रदेश में सार्वजनिक नीति और सुशासन (सीपीपीजीजी) के साथ ही सतत विकास लक्ष्य को तेजी से बढ़ाने की दिशा में कार्य कर रहा है।

उन्होंने कहा कि यूएनडीपी प्रदेश में सतत विकास लक्ष्य का स्थानीयकरण और एकीकरण, निगरानी और मूल्यांकन, सार्वजनिक नीति, उत्पादक अर्थव्यवस्था और उद्यमिता, आईटी और एमआईएस, संचार और क्षमता निर्माण के साथ ही सीएसआर और निजी क्षेत्र में तकनीकी सहयोग उपलब्ध करा रहा है। राज्य सरकार एवं यूएनडीपी के मध्य एक व्यापक समझौता हुआ है, जो जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, ऊर्जा, जैव विविधता संरक्षण, आपदा जोखिम में कमी और लचीलापन, आजीविका, कौशल विकास (जिसमें सर्कुलर इकोनॉमी भी शामिल है), सिस्टम को मजबूत करना एवं ज्ञान प्रबंधन के क्षेत्र में तकनीकी सहायता उपलब्ध कराएगा।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव डॉ. आर. मीनाक्षी सुन्दरम, अपर सचिव नरेन्द्र सिंह भण्डारी, यूएनडीपी से सत्यन चौहान एवं प्रदीप मेहता भी उपस्थित थे।

# प्रदेश में 8 लाख 39 हजार 486 मतदाता 'अनकलेक्टेड श्रेणी' में

वेलकम इंडिया संवाददाता

**देहरादून।** उत्तराखण्ड में चल रहे एसआईआर के सम्बंध में आज अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विजय कुमार जोगदंडे ने सचिवालय में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर चर्चा की। इस दौरान अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों से अनकलेक्टेड श्रेणी के मतदाताओं के घर-घर सत्यापन अभियान में सहयोग करने की अपील की।

अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि उत्तराखण्ड में 1 जुलाई 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर रक्फ़प्रक्रिया संपन्न की जा रही है। 7 जुलाई तक प्रदेश में गणना पत्रों के वितरण और डिजिटाइज का कार्य पूर्ण होना है। उन्होंने अवगत कराया कि प्रदेश में 79 लाख 60 हजार 762 मतदाताओं के सापेक्ष 70 लाख 98 हजार 501 मतदाताओं के फार्म डिजिटाइज कर दिए गए हैं।

प्रदेश में 8 लाख 39 हजार 486 मतदाता 'अनकलेक्टेड श्रेणी' में शामिल हैं। जिसके अन्तर्गत 1 लाख 23 हजार 836 मृत, 4 लाख 77 हजार 148 स्थाई रुप से शिफ्ट, 61,764 पहले से पंजीकृत, 1 लाख 68 हजार 259 अनुपस्थित और 8,479 मतदाता अन्य कारणों से 'अनकलेक्टेड श्रेणी' में शामिल हैं। उन्होंने बताया कि 14 जुलाई 2026 को ड्राफ्ट रोल का प्रकाशन किया जाएगा इसके साथ ही 14 जुलाई से 13 अगस्त 2026 के बीच दावे एवं आपत्तियों को दर्ज करने का समय दिया गया है। 14 जुलाई से 11 सितंबर 2026 तक नोटिस की अवधि एवं दावे आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 15 सितंबर 2026 को किया जाएगा। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने SIR में राजनीतिक दलों से सहयोग की अपील की। उन्होंने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से शत प्रतिशत बूथ लेवल एजेंट्स नियुक्त करने की अपील की।

बैठक में उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी किशन सिंह नेगी, सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तू दास सहित सहित भाजपा से राजकुमार पुरोहित, कांग्रेस पार्टी से अमरेंद्र बिष्ट, आम आदमी पार्टी से श्याम बाबू पांडेय, बीएसपी से सत्यपाल, सीपीआई(एम) से अनंत आकाश उपस्थित रहे।

## आशा हॉस्पिटल में मनाया राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस

वेलकम इंडिया संवाददाता

**मथुरा।** श्रीमती अमृता देवी गुरदयाल सिंह चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित महोली रोड स्थित आशा हॉस्पिटल में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। भगवान की पूजा अर्चना करने के उपरांत केक काटा गया। सभी को बधाई दी गई।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर चिकित्सकों का सम्मान करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। निदेशक डॉ आरपी सिंह सोलंकी ने कहा चिकित्सक केवल पैसा नहीं बल्कि सेवा समर्पण और मानवता का प्रतीक है।

इस पर लोगों का भरोसा टिका होता है। जिसे बनाए रखना सब की जिम्मेदारी है। डॉक्टर दिन रात मरीजों की सेवा कर समाज को स्वस्थ बनाता है। डॉक्टर आशा सोलंकी डॉक्टर प्रवीण सोलंकी डॉक्टर नीतू सोलंकी ने भी विचार व्यक्त किए। इस दौरान स्टाफ जयपाल, हरिप्रसाद, सोनू राजपूत, राखी, मोहिनी, प्रीति, संगीता, मुन्ना, पवन, हिरदेश आदि मौजूद रहे।

# मानसीगंगा सुरक्षा व्यवस्था की मांग तेज, स्थानीय लोगों का मिल रहा समर्थन

वेलकम इंडिया संवाददाता

**मथुरा/गोवर्धन।** मानसीगंगा में श्रद्धालुओं की लगातार हो रही डूबने की घटनाओं के विरोध में सामाजिक कार्यकर्ता विनोदी सिंह चौधरी का आमरण अनशन शनिवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। आंदोलन को अब धार्मिक और सामाजिक संगठनों का भी समर्थन मिलने लगा है। हरदेव मंदिर के सेवायत एवं अधिवक्ता डॉ. केशवाचार्य गोस्वामी अनशन स्थल पर पहुंचे और आंदोलन के समर्थन में स्वयं भी आमरण अनशन पर बैठ गए।

डॉ. केशवाचार्य गोस्वामी ने कहा कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र मानसीगंगा की सुरक्षा को लेकर लंबे समय से लापरवाही बरती जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सनातन संस्कृति और धार्मिक स्थलों के विकास की बात की जाती है, लेकिन मानसीगंगा जैसे महत्वपूर्ण तीर्थ पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम अब तक नहीं किए गए। उनका कहना था कि लगातार हो रही दुर्घटनाएं प्रशासन की गंभीर उदासीनता को दशार्ती हैं। जब तक स्थायी सुरक्षा व्यवस्था लागू नहीं होती, तब तक उनका समर्थन और अनशन जारी रहेगा। अनशनकारी विनोदी सिंह चौधरी ने कहा कि उनका आंदोलन किसी व्यक्ति या विभाग के खिलाफ नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं के जीवन की सुरक्षा के लिए है। उन्होंने मांग की कि मानसीगंगा के सभी संवेदनशील घाटों पर मजबूत बैरिकेडिंग कराई जाए, चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं, प्रशिक्षित गोताखोरों की स्थायी तैनाती की जाए तथा पर्याप्त सुरक्षा कर्मियों और आधुनिक निगरानी व्यवस्था की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि बीते एक माह के दौरान मानसीगंगा में डूबने से कई श्रद्धालुओं की जान जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद सुरक्षा व्यवस्था में अपेक्षित सुधार नहीं किया गया। इससे स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं में नाराजगी बनी हुई है।

अनशन स्थल पर राजकुमार लवानिया, मनीष मोहन शर्मा, राहुल मोहन शर्मा, प्रेमचंद शर्मा, लकी ठाकुर, सुनील शर्मा, पवन स्वामी, डालचंद, टीटू शर्मा, सुनील शर्मा, रिंकू सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे तथा आंदोलन को अपना समर्थन दिया।

## मसूरी के भिलाडू स्टेडियम के निर्माण कार्यों के संबंध में कैबिनेट मंत्री ने समीक्षा की

वेलकम इंडिया संवाददाता

**देहरादून।** कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मसूरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत तैयार होने वाले 'भिलाडू स्टेडियम' के निर्माण कार्यों के संबंध में खेल, वन विभाग एवं पेयजल निगम के अधिकारियों के साथ बैठक कर पिछली बैठक के पश्चात हुई प्रगति की समीक्षा की।

उन्होंने विभागीय अधिकारियों को भूमि हस्तांतरण, एप्रोच रोड तथा सभी तकनीकी पहलुओं पर आपसी समन्वय के साथ कार्य करने एवं विस्तृत एस्टीमेट तैयार कर शासन स्तर की स्वीकृतियां प्राथमिकता के आधार पर प्राप्त करने के निर्देश दिए हैं। जोशी ने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस स्टेडियम के तैयार होने पर क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी, जो उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयारी करने में सहायक सिद्ध होंगी।

# बाल श्रम मुक्त अभियान को लेकर कार्यशाला आयोजित, बच्चों के प्रति संवेदनशील व्यवहार के दिए निर्देश

असदुल्लाह सिद्दीकी

**सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)।** शुक्रवार को पुलिस लाइन सभागार में बाल श्रम मुक्त सिद्धार्थनगर अभियान के तहत मानव तस्करी निरोधक थाना तथा मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान के संयुक्त सहयोग से अपर पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में विशेष किशोर पुलिस इकाई की मासिक बैठक एवं कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला में संस्थान के प्रसून शुक्ला ने सभी बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों को किशोर न्याय अधिनियम-2025 की जानकारी देते हुए बाल संरक्षण से जुड़े कानूनी प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा तैयार बाल संरक्षण विषयक लघु फिल्म 'बढ़ते बच्चे' का भी प्रदर्शन किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक ने सभी बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों को बच्चों के प्रति संवेदनशील एवं बाल-मित्रवत व्यवहार अपनाने के निर्देश दिए। साथ ही आगामी बैठकों में केवल संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा। इसके बाद ट्रेड यूनियन अध्यक्षों के साथ बैठक कर बाल श्रम मुक्त सिद्धार्थनगर अभियान के तहत जागरूकता सत्र आयोजित किया गया तथा सभी प्रतिभागियों को बाल श्रम उन्मूलन की शपथ दिलाई गई। बैठक में सदर एवं अपराध क्षेत्राधिकारी, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष, चाइल्ड हेल्पलाइन समन्वयक, श्रम विभाग के प्रतिनिधि तथा विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों सहित सभी थानों के बाल कल्याण पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

## साइबर सेल की तत्परता से यूपीआई ठगी के 2800 रुपये पीड़ित के खाते में लौटे

असदुल्लाह सिद्दीकी

**जोगिया/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)।** थाना जोगिया उदयपुर की साइबर सेल की त्वरित कार्रवाई से यूपीआई के माध्यम से साइबर ठगी का शिकार हुए युवक को राहत मिली। पुलिस ने संबंधित बैंक से समन्वय स्थापित कर पीड़ित के 2800 रुपये उसके खाते में वापस करा दिए।

कटहना गांव निवासी विजय भारती ने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोटिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके साथ यूपीआई के माध्यम से 2800 रुपये की ऑनलाइन ठगी हो गई है। शिकायत मिलने के बाद थानाध्यक्ष अभय सिंह के निर्देशन में थाना जोगिया उदयपुर की साइबर सेल ने मामले की जांच शुरू की।

टीम ने संबंधित बैंक से लगातार संपर्क और आवश्यक समन्वय स्थापित किया, जिसके परिणामस्वरूप शुक्रवार को ठगी गई पूरी धनराशि पीड़ित के बैंक खाते में वापस करा दी गई।

धनराशि वापस मिलने पर पीड़ित ने पुलिस की तत्परता की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। इस कार्रवाई में साइबर प्रभारी उपनिरीक्षक अवधेश यादव, कांस्टेबल सेनजीत निषाद, विकास कुमार गोंड और अजीत यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस ने लोगों से साइबर ठगी होने पर बिना देरी किए राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 या एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की।

## मिशन शक्ति अभियान के तहत एंटी रोमियो स्क्वाड ने की चेकिंग, महिलाओं को किया जागरूक

असदुल्लाह सिद्दीकी

**खेसरहा/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)।** मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 (द्वितीय चरण) के तहत जनपदीय एंटी रोमियो स्क्वाड ने शुक्रवार को खेसरहा थाना क्षेत्र के प्रमुख बाजारों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान महिलाओं और छात्राओं को सुरक्षा संबंधी हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देकर उन्हें जागरूक किया गया।

क्षेत्राधिकारी सदर विश्वजीत सौरयान के पर्यवेक्षण में प्रभारी एंटी रोमियो स्क्वाड उपनिरीक्षक मीरा चौहान के नेतृत्व में टीम ने बेलौहा तिराहा, कुडजा तिराहा, सेमरहना, बंसी बाजार, सोनखर सहित विभिन्न स्थानों पर भ्रमण किया।

टीम ने महिलाओं और बच्चियों को 1090, 1098, 112, 181, 1930, 108 तथा 102 जैसे आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों के उपयोग और उनकी उपयोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

अभियान के दौरान बाजारों, मुख्य सड़कों और चौराहों पर संदिग्ध एवं अनावश्यक रूप से घूमने वाले मनचलों की भी जांच की गई।

साथ ही महिला दुकानदारों से बातचीत कर क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था और किसी प्रकार की परेशानी के संबंध में जानकारी ली गई।

पुलिस के अनुसार चेकिंग के दौरान कहीं से भी कोई अप्रिय स्थिति सामने नहीं आई। अभियान में प्रभारी एंटी रोमियो स्क्वाड उपनिरीक्षक मीरा चौहान तथा महिला आरक्षी नेहा सिंह शामिल रहीं।

## अलग-अलग विभागों में चयनित अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री ने नियुक्ति पत्र प्रदान किए

वेलकम इंडिया संवाददाता

**देहरादून।** मुख्यमंत्री ने मुख्य सेवक सदन में उत्तराखण्ड सम्मिलित राज्य सिविल/प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा-2024 में चयनित 182 अभ्यर्थियों तथा कृषि एवं कृषक कल्याण विभाग में वैयक्तिक सहायक के पद पर चयनित 5 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। सभी नवचयनित अधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

सख्त नकल विरोधी कानून और हमारी सरकार की पारदर्शी एवं निष्पक्ष भर्ती व्यवस्था के कारण आज युवाओं को उनकी योग्यता, क्षमता और परिश्रम के आधार पर अवसर मिल रहे हैं। यही विश्वास हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। पिछले 4 वर्षों में अब तक प्रदेश के 34 हजार से अधिक युवाओं को विभिन्न सरकारी सेवाओं में नियुक्ति प्रदान की जा चुकी है। हमारा संकल्प है कि प्रत्येक योग्य एवं प्रतिभाशाली युवा को समान अवसर प्रदान कर युवा शक्ति को विकसित उत्तराखण्ड के निर्माण का सशक्त आधार बनाया जाए।

# पूर्व क्षेत्र में भी संविदा कर्मचारियों के लिए संविदा नीति 2023 लागू - ग्रेच्युटी का मिलेगा लाभ

## पश्चिम कंपनी में लागू हो संविदा कर्मियों को नियमित करें: फेडरेशन

वेलकम इंडिया संवाददाता

**जबलपुर।** मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने 'संविदा सेवा नियम 2023' को लागू कर दिया है। इस निर्णय से अब संविदा अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए ग्रेच्युटी (उपदान)का भुगतान हो सकेगा।

मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने इस आदेश को जारी करने के लिए पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक और संबंधित अधिकारी गणों का आभार व्यक्त करते हुए कहा 15 वर्षों से नियमित होने की बाट जोह रहे संविदा कर्मियों को शासन, ऊर्जा विभाग और बिजली कंपनियां बिना शर्त नियमित, सर्विलियन कर उनका भविष्य सुरक्षित करें।

पूर्व क्षेत्र द्वारा जारी आदेश से

ग्रेच्युटी का अधिकारः 1 अगस्त 2023 को या उसके बाद सेवा में कार्यरत सभी संविदा कर्मचारी अब ग्रेच्युटी पाने के हकदार होंगे।

सेवा गणना में राहतः ऊर्जा विभाग के नवीनतम निदेर्शों के अनुसार, 5 वर्ष की निरंतर सेवा की गणना के दौरान पूर्व के अनुबंधों के बीच आए तकनीकी अंतराल (गैप) को बाधा नहीं माना जाएगा।

अन्य सुविधाएंः इस नीति के लागू होने से न केवल ग्रेच्युटी का लाभ सुनिश्चित हुआ है, बल्कि 1 अगस्त 2023 से अन्य अनुषंगी सुविधाएं भी संविदा कर्मचारियों को नियमित बिजली कर्मचारियों के अनुसार मिल सकेंगी।

मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडर्रेशन जबलपुर के महामंत्री राकेश डी पी पाठक, यू के पाठक, दिनेश दुबे, उमाशंकर दुबे, सीताराम कुरचानिया, श्याम मोहन वर्मा, अनूप वर्मा, केदारनाथ अग्निहोत्री, अवनीश तिवारी, विमल महापात्र, मोहित पटेल, योगेश पटेल, अक्षय श्रीवास्तव, राजेश मिश्रा, मोहन श्रीवास, योगेश डोंगरे, राजेश मिश्रा, मनोज पाठक, दीपक मेमने, सुधीर मिश्रा, संजय सिंह, दिलीप पाठक, दयाशंकर द्विवेदी ने ऊर्जा विभाग और प्रबंध संचालक, पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से मांग की है कि पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में भी संविदा नीति 2023 को लागू करने का आदेश शीघ्र जारी करे जिससे इसका लाभ वहां पर कार्यरत संविदा कर्मियों को मिल सकें। सभी ने शासन और ऊर्जा विभाग से अनुरोध किया है कि सभी संविदा कर्मियों को बिना शर्त नियमित किया जाए और आउट सोर्स कार्मिकों को भर्ती में 50 प्रतिशत का आरक्षण देकर नियमित करें। उपरोक्त जानकारी प्रदेश प्रवक्ता मदन वर्मा ने दी।

## कंधों पर गुब्बारों का बोझ, दिल में परिवार की जिम्मेदारी; तपती धूप में संघर्ष की मार्मिक तस्वीर

असदुल्लाह सिद्दीकी

**बिस्कोहर/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)।** उमस भरी गर्मी, चिलचिलाती धूप और पसीने से तरबतर शरीर... लेकिन कदम रुकते नहीं। कंधों पर रंग-बिरंगे गुब्बारों का भारी बोझ उठाए एक युवक सड़कों पर इसलिए घूम रहा है कि शाम को उसके घर का चूल्हा जल सके। बच्चों के चेहरों पर मुस्कान बेचने वाला यह शख्स खुद जिंदगी की कठिनाइयों से हर रोज जंग लड़ रहा है।

बाजार में लोग आते-जाते हैं। कोई गुब्बारे खरीद लेता है, कोई बिना देखे आगे बढ़ जाता है। मगर हर गुजरते पल के साथ उसकी उम्मीद बनी रहती है कि शायद अगला ग्राहक कुछ गुब्बारे खरीद ले, ताकि परिवार के लिए दो वक्त की रोटी का इंतजाम हो सके।

यह दृश्य केवल एक गुब्बारा विक्रेता का नहीं, बल्कि उन हजारों मेहनतकश लोगों का आईना है, जो विपरीत परिस्थितियों में भी हार नहीं मानते। उनकी मेहनत, आत्मसम्मान और संघर्ष बताता है कि जीवन की सबसे बड़ी पूंजी परिश्रम है।

बच्चों की खुशियां बेचने वाला यह मेहनतकश शायद खुद बहुत कम मुस्कुराता हो, लेकिन उसकी जिंदगी हमें यह जरूर सिखाती है कि जिम्मेदारियां इंसान को हर मौसम में चलना सिखा देती हैं। ऐसे श्रमिकों का संघर्ष समाज को संवेदनशील बनने का संदेश देता है।

# क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद द्वारा थाना दुधारा का किया आकस्मिक निरीक्षण, दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

**संतकबीरनगर।** पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन में क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राज शेखर पाण्डेय ने थाना दुधारा का विस्तृत निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान थानाध्यक्ष दुधारा अमित कुमार कुशवाहा उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद ने थाना परिसर, कार्यालय, मालखाना, बंदी गृह तथा अभिलेखों के रख-रखाव का जायजा लिया गया । तत्पश्चात, थाना स्थानीय के समस्त हल्का प्रभारियों, चौकी प्रभारी पचपोखरी, चौकी प्रभारी बाघनगर तथा समस्त विवेचकगण के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद द्वारा कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और जनहित में निम्नलिखित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए:-

**लंबित विवेचनाओं का त्वरित निस्तारण:** समस्त विवेचकों को निर्देशित किया गया कि वे गुण-दोष के आधार पर समयबद्ध तरीके से लंबित विवेचनाओं का निस्तारण करें।

**साइबर अपराध पर लगाम:** वर्तमान में बढ़ते साइबर अपराधों की रोकथाम हेतु जनता को जागरूक करने तथा तकनीकी माध्यमों का उपयोग कर अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

**तकनीकी सशक्तिकरण:** डिजिटल पुलिसिंग को बढ़ावा देने के लिए सभी विवेचक गण को एस.आई.डी. (SID) बनाने तथा ई-समन (e-Summon) तामीला को शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने हेतु कहा गया।

**जनशिकायत व आईजीआरएस (IGRS) का निस्तारण:** जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान पर जोर देते हुए क्षेत्राधिकारी महोदय ने कहा कि जनशिकायतों और आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का निस्तारण निष्पक्षता और गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा के भीतर किया जाए।

**कानून व्यवस्था (Law & Order):** क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए रात्रि गश्त बढ़ाने, संदिग्धों की चेकिंग करने और असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए।

# निरोगी रहने के लिए नियमित रूप से अपने स्वास्थ्य का चेकअप कराते रहना चाहिए- शमशेर अहमद

वेलकम इंडिया संवाददाता

**संतकबीरनगर।** शुक्रवार को विकास खण्ड सेमरियावा के एआरसी हास्पिटल एंड ट्रामा सेंटर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। सैकड़ों की संख्या में पहुंचे लोगों ने शिविर का लाभ उठाये। इस अवसर पर काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सेमरियावा ब्लाक के एआरसी हास्पिटल एंड ट्रामा सेंटर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन एमडी शमशेर अहमद ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य जीवन का आधार है। निरोगी रहने के लिए नियमित रूप से अपने स्वास्थ्य का चेकअप कराते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से जो लोग किसी कारणवश हॉस्पिटल तक जा नहीं पाते। वह इसका लाभ उठा सकते हैं। स्वास्थ्य शिविर में डायरेक्टर डॉ. मोहम्मद अजमल, डॉ. अनुपमा गुप्ता, डॉ. गुलाम अख्तर, डॉ. महबूब आलम, डॉ. अब्दुल कय्यूम, डॉ. अंकित मोदी, डॉ. अखिलेश चौधरी ने मरीजों की निः शुल्क जांच की और दवाएं व उचित परामर्श भी दिये।

इस अवसर पर मोहम्मद मोकर्रम, मुजीबुल्लाह, शब्बीर अहमद, मुहम्मद आजम, जुरेज अहमद, गुफरान अहमद, तनवीर अहमद, बृजेश कुमार भारती, फरीदा, नादिया, शमां, सुनीता, आशीष, वहीदुर्रहमान, हीरा, नवसीन, ज्योति आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

# सपा के वृक्षारोपण अभियान के तहत हापुड़ में लगाए गए पौधे, 2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का लिया संकल्प

राजेंद्र सिंह

**हापुड़(वेलकम इंडिया)।** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार 1 जुलाई से 7 जुलाई 2026 तक चलाए जा रहे प्रदेशव्यापी वृक्षारोपण अभियान के तहत शुक्रवार को जनपद हापुड़ में विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण किया गया।अभियान के अंतर्गत बुलंदशहर रोड स्थित मस्जिद परिसर, ग्राम करीमपुर भाईपुर तथा ग्राम शाहपुर फगोता में समाजवादी पार्टी के नेताओं एवं कार्यकताओं ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।इस अवसर पर कार्यकताओं ने लोगों को समाजवादी पार्टी सरकार के वर्ष 2012 से 2017 के कार्यकाल में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की जानकारी दी। साथ ही कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव को पुनः मुख्यमंत्री बनाकर प्रदेश में विकास और जनहित की नीतियों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया।कार्यक्रम में पूर्व प्रधानाचार्य राजेश यादव, आकाश राणा, राजू जाटव सहित अनेक समाजवादी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का नेतृत्व तेजपाल प्रमुख, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी (59 हापुड़) एवं पूर्व जिलाध्यक्ष, समाजवादी पार्टी हापुड़ ने किया।

# पीसीसी बैठक में शामिल होने लखनऊ पहुंचे हापुड़ के कांग्रेसजन, संगठन मजबूती पर हुआ मंथन

राजेंद्र सिंह

**हापुड़(वेलकम इंडिया)।** उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) की बैठक में भाग लेने के लिए गुरुवार, 2 जुलाई 2026 को हापुड़ के कांग्रेस पदाधिकारी लखनऊ स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे। इस दौरान उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम का विभिन्न जिलों से पहुंचे जिलाध्यक्षों एवं शहर अध्यक्षों ने स्वागत करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।बैठक को संबोधित करते हुए नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पूरी मजबूती के साथ भारतीय जनता पार्टी का मुकाबला करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा को हराने के लिए विपक्षी दलों को एकजुट होने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि उत्तर प्रदेश में भाजपा को चुनावी चुनौती देनी है तो बहुजन समाज पार्टी को कांग्रेस के साथ गठबंधन पर विचार करना चाहिए। उनके अनुसार, बसपा के अकेले चुनाव लड़ने से भाजपा को लाभ मिल सकता है।कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी ने कहा कि दलित समाज का भरोसा अब कांग्रेस की ओर बढ़ रहा है और प्रदेश में भाजपा का प्रभाव समाप्त करने के लिए कांग्रेस ही मजबूत विकल्प बनकर उभर रही है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष इरफान अहमद ने कहा कि पार्टी संगठन को नए सिरे से मजबूत करने के लिए सामाजिक और जातीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए संगठनात्मक फेरबदल किए जा रहे हैं, जिससे आगामी चुनावों में कांग्रेस को मजबूती मिलेगी।बैठक में ओबीसी कांग्रेस के प्रदेश महासचिव गुलफाम कुरैशी, पूर्व चेयरमैन प्रत्याशी पति अरुण वर्मा, जिला महासचिव एवं मीडिया प्रभारी गौरव गर्ग सहित अन्य कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# वायरल वीडियो पर हापुड़ पुलिस की त्वरित कार्रवाई, बैल के साथ क्रूरता करने वाला आरोपी गिरफ्तार

राजेंद्र सिंह

**हापुड़ गढ़मुक्तेश्वर(वेलकम इंडिया)।** सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो का संज्ञान लेते हुए थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर बैल के साथ क्रूरता करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी रेत से भरी बैलगाड़ी को बैल से खिंचवा रहा था, जिसका वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई।पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद में अपराध की रोकथाम एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने मामले की जांच कर ग्राम काकाठेर की मढैय्या निवासी आरोपी राहुल पुत्र स्वर्गीय तारा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी के विरुद्ध पशु के साथ क्रूरता करने के मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि पशुओं के साथ अमानवीय व्यवहार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। गिरफ्तार आरोपी राहुल पुत्र स्वर्गीय तारा निवासीः ग्राम काकाठेर की मढैय्या, थाना गढ़मुक्तेश्वर, जनपद हापुड़।

# भारतीय किसान यूनियन (टिकैत ग्रुप) के जिलाध्यक्ष बने प्रेमनाथ उर्फ गुड्डू चौधरी

## संतकबीरनगर में संगठन की कमान संभालेंगे, किसानों के हितों की लड़ाई को मिलेगी नई दिशा

वेलकम इंडिया संवाददाता

**संतकबीरनगर।** भारतीय किसान यूनियन (टिकैत ग्रुप) ने संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए प्रेमनाथ उर्फ गुड्डू चौधरी को संतकबीरनगर का नया जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। उनके मनोनयन से जिले के किसानों और संगठन के कार्यकताओं में उत्साह का माहौल है। प्रेमनाथ उर्फ गुड्डू चौधरी लंबे समय से किसान हितों से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय रहे हैं। संगठन ने उनके अनुभव, सक्रियता और किसानों के बीच मजबूत पकड़ को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है। जिलाध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाया जाएगा तथा संगठन को गांव-गांव तक मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी फसलों का उचित मूल्य, समय पर खाद-बीज की उपलब्धता, सिंचाई, बिजली तथा अन्य कृषि संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन और सरकार के समक्ष मजबूती से आवाज उठाई जाएगी। साथ ही अधिक से अधिक किसानों को संगठन से जोड़कर उनके अधिकारों की रक्षा के लिए प्रभावी अभियान चलाया जाएगा। संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने प्रेमनाथ उर्फ गुड्डू चौधरी को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में भारतीय किसान यूनियन (टिकैत ग्रुप) जनपद में और अधिक मजबूत होगा तथा किसानों के हितों की लड़ाई को नई धार मिलेगी।

# घायल बंदर के बच्चे का कराया उपचार, वन विभाग को सौंपा

असदुल्लाह सिद्दीकी

**सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)।** गुरुवार को दोपहर 3:40 बजे सीडीओ आवास के सामने एक अज्ञात वाहन की टक्कर से बंदर का बच्चा घायल होने की सूचना पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही पीआरवी 6043 मौके पर पहुंची। वहां बड़ी संख्या में बंदरों के एकत्र होने से अफरा-तफरी का माहौल था। पुलिस टीम ने मौके का निरीक्षण किया तो बंदर का बच्चा जीवित मिला।

इसके बाद उसे तत्काल पशु चिकित्सालय सिद्धार्थनगर पहुंचाकर उपचार कराया गया। उपचार के बाद घायल बंदर के बच्चे को वन विभाग के कर्मचारियों के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस की तत्परता से घायल वन्यजीव को समय पर उपचार मिल सका। इस दौरान उपनिरीक्षक हरिचरन वर्मा, कांस्टेबल अवधेश चौधरी तथा पीआरवी चालक संतोष कुमार पाण्डेय ने सराहनीय भूमिका निभाई।

# सी ई आर पोर्टल से प्रतापगढ़ पुलिस ने 407 बरामद कर मालिको को सौपे

विजय द्विवेदी

**प्रतापगढ़(वेलकम इंडिया)।** एसपी दीपक भूकर व एएसपी (पूर्वी) आलोक कुमार के निर्देशन में चलाए गए विशेष अभियान में सर्विलांस टीम व सभी थानों की साइबर टीमों ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। CEIR पोर्टल की मदद से पुलिस ने गुम/चोरी हुए 407 मल्टीमीडिया मोबाइल बरामद किए। इनकी अनुमानित कीमत 61 लाख 5 हजार रुपए है।

शुक्रवार को पुलिस लाइन स्थित साईं कॉम्प्लेक्स में आयोजित कार्यक्रम में एसपी दीपक भूकर व एएसपी आलोक कुमार भाटी ने बरामद मोबाइल उनके असली मालिकों को सौंपे। अपना फोन वापस पाकर लोगों ने पुलिस की तकनीकी दक्षता व त्वरित कार्रवाई की सराहना की। एसपी ने बताया कि मोबाइल गुम होने पर घबराएं नहीं। तुरंत थाना या www.ceir.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं और 'IME' ब्लॉकिंग रिक्वेस्ट IDI जरूर लें। 'संचार साथी' ऐप से भी IMEI ब्लॉकिंग, फर्जी कॉल की रिपोर्ट व नाम पर जारी सिम की जानकारी ली जा सकती है। टीम का नेतृत्वः यह अभियान प्रभारी सर्विलांस उ0नि0 अजित सिंह के नेतृत्व में चला। इसमें आरक्षी सूर्य प्रताप सिंह समेत जिले के सभी 24 थानों के साइबर टीम के पुलिसकर्मी शामिल रहे।

पुलिस की सलाहः मोबाइल खोने पर सबसे पहले सिम ब्लॉक कराएं, बैंक को सूचित करें और CEIR पोर्टल या 'संचार साथी' ऐप से IMEI ब्लॉक कराएं। त्वरित सूचना पर ही बरामदगी संभव है।

# हापुड़ पुलिस की त्वरित कार्रवाई, साइबर ठगी के शिकार पीड़ित के 14,639 रुपये कराए वापस

राजेंद्र सिंह

**हापुड़(वेलकम इंडिया)।** पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार जनपद हापुड़ में साइबर अपराध की रोकथाम एवं पीड़ितों को त्वरित राहत दिलाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बाबूगढ़ की साइबर क्राइम टीम ने सराहनीय कार्य करते हुए साइबर ठगी का शिकार हुए एक पीड़ित के कुल 14,639 रुपये सफलतापूर्वक वापस कराए। पुलिस के अनुसार, शिकायत प्राप्त होने के बाद साइबर क्राइम टीम ने बिना विलंब आवश्यक तकनीकी एवं कानूनी कार्रवाई करते हुए संबंधित माध्यमों से समन्वय स्थापित किया। टीम के प्रयासों के परिणामस्वरूप पीड़ित के खाते में 14,639 रुपये वापस कराए गए।

हापुड़ पुलिस ने जनपदवासियों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी, संदिग्ध कॉल, फर्जी लिंक, ओटीपी साझा करने या ऑनलाइन धोखाधड़ी की स्थिति में तुरंत 1930 साइबर हेल्पलाइन अथवा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई कर धनराशि सुरक्षित कराई जा सके।

# वरिष्ठ समाजसेवी एवं किसान नेता चौधरी सुभाष नंबरदार जी समाज क्षेत्र में निस्वार्थ सेवा करते हैं

## पिछले लंबे समय से कार्य कर रहे हैं जो उनकी अच्छी कार्यशैली को दशार्ता है

राजीव चौधरी

**रुड़की(वेलकम इंडिया)।** वरिष्ठ समाजसेवी चौधरी सुभाष नंबरदार जी ने अपने जीवन में सच्ची समाजसेवा निस्वार्थ भाव से की है। जैसे की कोरोना कल में दिन-रात लोगों के बीच रह कर सच्ची सेवा में खड़े रहे। ओर सभी का सम्मान आदत के साथ करते आए हैं।

और सभी का सहयोग करते आए हैं सभी के लिए दिन-रात खड़े रहते हैं और निस्वार्थ भाव से सेवा करते आए हैं। सर्दियों में जो गरीब लोग फुटपाथ पर सोने को मजबूर होते हैं उन्हें गर्म कपड़े वितरण करते आए हैं।

चौधरी सुभाष नंबरदार जी का कहना है कि यह केवल सेवा नहीं बल्कि हमारी संस्कृति इतिहास और सामाजिक धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा है उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है हम इस महान परंपरा को जीवित रखें और नई पीढ़ी को भी समाज सेवा एवं मानव सेवा के लिए प्रेरित करें ऐसी सेवा कार्य लोगों में सहयोग करुणा और भाईचारे की भावना को मजबूत करते हैं वहीं वरिष्ठ समाजसेवी चौधरी सुभाष नंबरदार ने कहा कि वास्तव में लोगों की सेवा करना बड़े ही पुण्य का कार्य है और यह समाज सेवा हमें अपने पूर्वजों से मिली है जिसे हम निर्वहन कर रहे हैं सबसे बड़ी बात यह है कि वास्तव में ही जहां जरूरत होती है चौधरी सुभाष नंबरदार सबसे पहले सेवा के लिए जाकर खड़े हो जाते हैं जो उनके अच्छे संस्कारों को दशार्ता है उन्होंने कहा कि इस प्रकार की सेवा जीवन में निरंतर जारी रहेगी।

ताकि अन्य लोग भी मानव सेवा के लिए प्रेरित हो सके। इससे पूर्व अतिथियों ने फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया उसके बाद समाजसेवी चौधरी चौधरी सुभाष नंबरदार द्वारा वरिष्ठ पत्रकार राजीव चौधरी को पटका पहनाकर उनका जोरदार स्वागत किया।

# कांवड़ यात्रा की तैयारियों का अधिकारियों ने लिया जायजा, सुरक्षा व यातायात व्यवस्था का किया निरीक्षण

राजेंद्र सिंह

**हापुड़(वेलकम इंडिया)।** आगामी कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से हापुड़ सिटी की उप जिलाधिकारी इला प्रकाश, क्षेत्राधिकारी सिटी अनीता चौहान एवं थाना बाबूगढ़ प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार ने थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के छपकौली मंदिर सहित कांवड़ यात्रा मार्गों का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कांवड़ यात्रा मार्गों पर बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की उपलब्धता तथा यातायात प्रबंधन का बारीकी से जायजा लिया। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा गया कि कांवड़ियों की सुरक्षा, सुविधा और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करने के लिए सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएं।

अधिकारियों ने संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, सुचारु यातायात संचालन तथा श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क एवं प्रतिबद्ध है।

# चोलापुर पुलिस टीम द्वारा ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत फर्जी दरोगा गिरफ्तार,पुलिस वर्दी व अन्य सामग्री बरामद

संतोष कुमार सिंह

**वाराणसी(वेलकम इंडिया)।** पुलिस आयुक्त वाराणसी द्वारा अपराधों की रोकथाम के मद्देनजर चोरी,लूट,अपहरण की घटनाओ के सफल अनावरण एवं वांछित,फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त वरुणा जोन के निर्देशन मे अपर पुलिस उपायुक्त वरुणा जोन के पर्यवेक्षण मे एवं सहायक पुलिस आयुक्त सारनाथ के नेतृत्व में थाना चोलापुर पुलिस टीम द्वारा ह्लऑपरेशन चक्रव्यूह' के दृष्टिगत मुखबिर खास की सूचना पर फर्जी दरोगा की वर्दी धारण किये हुए एक नफर अभियुक्त राजन प्रजापति पुत्र सभापति प्रजापति निवासी इन्द्रपुर थाना शिवपुर कमिशनरेट वाराणसी को 2 जुलाई 2026 को थाना चोलापुर क्षेत्र के आयर बाजार औरा नहर के पास से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से एक अदद खाकी वर्दी सेट,चार अदद स्टार पीली धातु मय फ्लैप पुलिस कलर रिबन,एक अदद बेल्ट, एक जोड़ी जूता ब्राउन कलर मय एक जोड़ी मोजा खाकी कलर,एक अदद पी-कैप,एक अदद बैरेट कैप मय ताज,दो अदद नेम प्लेट,दो अदद उ0प्र0पु0 बैज, एक अदद सीटी डोरी,तीन अदद पुलिस आईडी कार्ड,एक अदद आधार कार्ड,एक अदद आपदा मित्र कार्ड,एक अदद निर्वाचन कार्ड,एक अदद एटीएम यूनियन बैंक डेबिड कार्ड, एक अदद पैन कार्ड,एक अदद नियुक्ति पत्र की छायाप्रति, दो अदद एंड्रायड मोबाइल फोन,एक अदद बैग,एक अदद पर्स,एक अदद इयर फोन व 1200 रुपए बरामद किया गया। उक्त गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर थाना चोलापुर द्वारा मु0अ0सं0-0268/2026 धारा-318 (4),319(2),338,336(3),340 (2),204,205 बीएनएस अभियोग पंजीकृत करते हुए अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी है।

घटना के संबंध में पुलिस के द्वारा बताया गया की 2 जुलाई 2026 को प्रभारी निरीक्षक / वादी मुकदमा द्वारा आपरेशन चक्रव्यूह के तहत चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर फर्जी दरोगा बनकर धन उगाही करने के सम्बन्ध में एक नफर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया जिसके आधार पर थाना चोलापुर पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया जिसकी विवेचना उप निरीक्षक अनिकेत श्रीवास्तव द्वारा संपादित की जा रही है।

चोलापुर पुलिस के द्वारा बताया गया की अभियुक्त से पूछने पर बता रहा है कि साहब मैं दरोगा की वर्दी धारण कर क्षेत्र में घूम-घूम कर लोगो को दरोगा होने का धौंस दिखाकर नौकरी दिलवाने के नाम पर पैसा लेता हूँ व चेकिंग के नाम पर भी पैसा कमाता हूँ। मैंने पुलिस का फर्जी नियुक्ति पत्र व फर्जी पुलिस आईडी बनवा रखी है इसी तरह मैने कुछ दिन पहले किशन विश्वकर्मा पुत्र संजय विश्वकर्मा निवासी महगाँव थाना सिंधौरा कमिशनरेट वाराणसी से पुलिस विभाग में नौकरी दिलवाने के नाम पर एक लाख रुपये लिया था जिसे मैंने अपनी शानो शौकत व दैनिक कार्यो में खर्च कर दिया।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में सधुबन राम गौतम प्रभारी निरीक्षक थाना चोलापुर,उप निरीक्षक अनिल कुमार थाना चोलापुर,महिला उप निरीक्षक संध्या जायसवाल थाना चोलापुर,हेड कांस्टेबल अनुनेष कुमार सिंह थाना चोलापुर,हेड कांस्टेबल मो0 शकील अहमद थाना चोलापुर,रि0का0 विपिन कुमार सिंह सहित थाना चोलापुर कमिशनरेट वाराणसी की पुलिस टीम शामिल रहीं।

## आगामी कॉवंड यात्रा को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु सीओ व एसडीएम द्वारा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

वेलकम इंडिया संवाददाता

**सिकंदराबाद।** जनपद में आगामी कांवड़ यात्रा को सकुशल, सुरक्षित एवं व्यवस्थित सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत क्षेत्राधिकारी सिकन्द्राबाद दीपक कुमार द्वारा उपजिलाधिकारी सिकन्द्राबाद एवं अन्य सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों के साथ कांवड़ मार्ग का भौतिक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान कांवड़ मार्ग पर साफ-सफाई, विद्युत व्यवस्था, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, यातायात प्रबंधन तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

इस दौरान संबंधित को निर्देशित किया गया कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण कर ली जाएं। साथ ही संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने, मार्गों को अतिक्रमण मुक्त रखने तथा सुचारू यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

## अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग फ्री डे पर नगर पालिका शिकारपुर ने चलाया विशेष जनजागरूकता अभियान

### ईओ नीतू सिंह के नेतृत्व में नागरिकों एवं व्यापारियों को कपड़े के थैलों का वितरण किया गया

वेलकम इंडिया संवाददाता

**शिकारपुर।** शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग फ्री डे के अवसर पर नगर पालिका परिषद शिकारपुर द्वारा नगर में विशेष जन जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत अधिशासी अधिकारी नीतू सिंह के नेतृत्व में नागरिकों एवं व्यापारियों को कपड़े के थैलों का वितरण किया गया तथा सभी से प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक एवं पॉलीथिन का उपयोग पूर्णतः बंद करने की अपील की गई ।सभी ने संयुक्त रूप से बाजार क्षेत्र में दुकानदारों एवं आम नागरिकों से संवाद कर पर्यावरण संरक्षण के लिए कपड़े के थैलों को अपनाने तथा प्लास्टिक मुक्त शिकारपुर बनाने में अपना सहयोग देने का आ'ान किया। अधिशासी अधिकारी नीतू सिंह ने कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण, मानव स्वास्थ्य एवं पशु-पक्षियों के लिए गंभीर खतरा है। यदि प्रत्येक नागरिक कपड़े के थैले का उपयोग करने का संकल्प ले, तो हम एक स्वच्छ, सुंदर एवं प्लास्टिक मुक्त शिकारपुर का निर्माण कर सकते हैं। नगर पालिका परिषद शिकारपुर द्वारा समस्त नगरवासियों से अपील है कि 'ना कहें पॉलीथिन को, अपनाएँ कपड़े का थैला' और पर्यावरण संरक्षण की इस मुहिम में सहभागी बनें। जनसहभागिता से ही स्वच्छ, स्वस्थ एवं हरित शिकारपुर का सपना साकार किया जा सकता है। इस अवसर पर सभासद गौतम सूर्यवंशी, मुकेश गर्ग एवं सभासद पति रंजीत सैनी आदि लोग उपस्थित रहे।

## गुरावली में महिला पर हमला कर, जान से मारने की धमकी

वेलकम इंडिया संवाददाता

**बुगरासी।** थाना खानपुर के गांव गुरावली में जान से मारने की धमकी का मामला सामने आया है। पीड़िता कमलेश ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया है कि 30 जून को वह खेत पर भूसा लेने गई थी, गांव का बब्बू वहीं पर पहले से घात लगाए बैठा था , विरोध करने पर गाली गलौज कर धारदार हथियार से हमला करने को दौडा, अपनी जान बचाने को कमलेश ने डंडा उठाया, लेकिन आरोपी ने डंडे से पिटाई कर डाली और भाग गया,शाम को आरोपी दोबारा उसके घर में घुस गया और पिटाई कर डाली ।एसओ रितेश सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है। शीघ्र ही आरोपी को कानून के होने का एहसास दिला दिया जायेगा। वहीं दूसरी ओर थाना खानपुर क्षेत्र के गांव ढक्का निवासी एक महिला की तहरीर पर गांव के ही एक युवक पर गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज किया गया है ।मुनेश कुमारी पत्नी प्रेम सिंह ने दी गई तहरीर में बताया है कि 26 जून की शाम को वह अपने घर के दरवाजे पर खड़ी थी, आरोप है कि जीतन पुत्र गजराज शराब के नशे में वहां पहुंचा और गाली गलौज कर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता का कहना है कि घटना की सूचना डायल 112 को भी दी गई थी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की, लेकिन आरोपी कुछ देर बाद फिर पहुंचा और गाली गलोच कर अभद्र व्यवहार किया। एस ओ खानपुर रितेश सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है शीघ्र ही आरोपी को कानून के होने का एहसास दिला दिया जायेगा।

## जलवायु परिवर्तन बड़ी चुनौती, जन जागरण की आवश्यकता: बोहरा

### सांसियों का तला में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

वेलकम इंडिया संवाददाता

**बाड़मेर राजस्थान।** थार के मरूस्थल को हरा-भरा बनाने को लेकर जन कल्याण संस्थान, बाड़मेर की ओर से अभियान ग्रामोदय के तहत एक घर एक पौधा अभियान में निरन्तर पौधारोपण किया जा रहा है। जिस कड़ी में शुक्रवार को सांसियों का तला राजस्व गांव में पौधारोपण करते हुए 25 पौधे लगाएं गए। तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया।

संस्थान के सदस्य राजेश जोशी ने बताया कि सांसियों का तला के हर घर पौधारोपण को लेकर अभियान ग्रामोदय में पौधारोपण कार्य किया जा रहा है। जिसमें शुक्रवार को अलग-अलग किस्म के 25 पौधे लगाएं गए। तथा उन पौधों को सुरक्षित करने की व्यवस्था की गई। उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। संस्थान अध्यक्ष व पर्यावरण कार्यकर्ता मुकेश बोहरा अमन ने कहा कि सम्पूर्ण विश्व के सामने जलवायु परिवर्तन एक बड़ी चुनौती है।

जलवायु परिवर्तन की चुनौती समय के साथ-साथ बढ़ती जा रही है। इससे निपटने के लिए जन-जन को जागृत करने की आवश्यकता है। अमन ने कहा कि ऐसे में हमें अधिक से अधिक पौधारोपण करने की जरूरत है।

इस दौरान मुकेश अमन, राजेश जोशी, मांगीलाल सिसोदिया, मुकेश सिसोदिया, हाथी सिसोदिया सहित माताएं-बहिनें उपस्थित रही।

## प्लास्टिक मानव व पशुओं को भी खतरा बन रही

वेलकम इंडिया संवाददाता

**बुगरासी।** प्लास्टिक प्रयोग पर पाबंदी लगाने के लिए सरकार ऐडी चोटी का जोर लगा रही है लेकिन इसका प्रयोग बंद होने का नाम ही नहीं ले रहा है। जिसके चलते प्रदूषण पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। कस्बे से लेकर देहात में परचून की दुकानों पर व रैस्टोरैटों होटलों व चाय की दुकानों पर भी केतली में चाय नहीं देकर प्लाटिक में ही चाय परोसी जा रही है।

यहां तक की सब्जी पनीर आदि भी पिन्नी में ही दिये जा रहे हैं। ये प्लास्टिक जन जीवन के लिए खतरा बनती जा रही है ।फिर भी लोग अधिकतर इसका ही प्रयोग रात दिन कर रहे हैं। प्लास्टिक खतरे के प्रति जागरूकता के लिए सरकार प्रति वर्ष तीन जुलाई को अंतर राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्ति दिवस मनाया जाता है। अनदेखी के चलते सिंगल यूज प्लास्टिक दवे पाव खाघ सामग्री व अन्य घरेलू काम में आने वाले उत्पादों के जरिए पर्यावरण को प्रदूषित कर रही है।

साथ ही लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बढ रहा है ।साथ ही चाय ममोज समोसे चटनी भी प्रतिबंधित प्लास्टिक में ही पैक होकर मिल रहे हैं। अगर शीघ्र ही लोग इसके खतरे के बारे मे नही समझे तो गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। सरकार इसके स्थान पर कपडे व जूट के थैले के प्रयोग को कहती हैं।

## इंदौर के दो युवाओं को दक्षिण अमेरिका की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी से मानद डॉक्टरेट

वेलकम इंडिया संवाददाता

**इंदौर।** शहर के दो युवा प्रतिभाओं को उनके उत्कृष्ट सामाजिक एवं शैक्षणिक योगदान के लिए दक्षिण अमेरिका के रिपब्लिक ऑफ पेरू स्थित एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय द्वारा मानद डॉक्टरेट (Honorry Doctorate) से सम्मानित किया जाएगा।

प्रबंधन विशेषज्ञ एवं प्रोफेसर हर्षल जैन को डॉक्टरेट इन मैनेजमेंट तथा समाजसेविका रश्मि जैन (खुशबू) चिप्पड़ को डॉक्टरेट इन सोशल जस्टिस की मानद उपाधि प्रदान की जाएगी। यह सम्मान समारोह महाराष्ट्र के नाशिक में आयोजित होगा। प्रोफेसर हर्षल जैन लंबे समय से प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं।

वे विद्यार्थियों को आधुनिक प्रबंधन की शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ युवा पीढ़ी के व्यक्तित्व एवं नेतृत्व विकास के लिए भी निरंतर कार्यरत हैं।

वहीं रश्मि जैन (खुशबू) चिप्पड़ पिछले कई वर्षों से समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय हैं। वे वृद्धजनों, दिव्यांगजनों, असहाय एवं जरूरतमंद लोगों के कल्याण, सामाजिक न्याय और जनसेवा से जुड़े विभिन्न कार्यों में निरंतर योगदान दे रही हैं। उनके इसी समर्पण और सामाजिक प्रतिबद्धता को देखते हुए उन्हें डॉक्टरेट इन सोशल जस्टिस की मानद उपाधि से सम्मानित किया जाएगा।

यह सम्मान न केवल दोनों प्रतिभाओं की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि इंदौर शहर के लिए भी गर्व का विषय है। उनके इस अंतरराष्ट्रीय सम्मान से प्रदेश एवं देश का नाम वैश्विक स्तर पर गौरवान्वित होगा।

## 31 जुलाई की 'सामाजिक समरसता महारैली' को ऐतिहासिक बनाने को सुभासपा ने कसी कमर

वेलकम इंडिया संवाददाता

**मुरादाबाद।** सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने 31 जुलाई 2026 को नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में होने वाली 'सामाजिक समरसता महारैली' को ऐतिहासिक बनाने की तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को मुरादाबाद स्थित जिला कार्यालय पर महत्वपूर्ण संगठनात्मक समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में राष्ट्रीय प्रवक्ता दयाराम भार्गव और प्रदेश अध्यक्ष अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश रितेश राम मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता रितेश राम ने की। वरिष्ठ नेताओं ने संगठन की मजबूती, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी और महारैली में अधिकतम जनसहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से पूर्ण समर्पण और उत्साह के साथ महारैली को सफल बनाने का आ'ान किया। बैठक में जिलाध्यक्ष रवि चौधरी, महानगर अध्यक्ष दानिश कुरेशी, प्रमुख महासचिव गौरव कुमार, महानगर प्रभारी अशोक सैनी, शानू, नासिर, विधानसभा अध्यक्ष इरशाद, जिला प्रवक्ता नाजिम, डॉ. हनीफ, राजकुमार साहू, मुशाहिद हसन समेत मुरादाबाद, अमरोहा और संभल के पदाधिकारी और विभिन्न प्रकोष्ठों के जिलाध्यक्ष मौजूद रहे।

सभी पदाधिकारियों ने 31 जुलाई की महारैली में अधिक से अधिक जनभागीदारी का संकल्प लिया। बैठक में संगठन विस्तार, सामाजिक समरसता और पार्टी की विचारधारा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए एकजुट होकर काम करने पर सहमति बनी।

## चार जुलाई को एचएचआई होटल में सजेगा भव्य 'उड़ान सावन मेला' ,हर घंटे होगा लकी ड्रॉ

संतोष कुमार सिंह

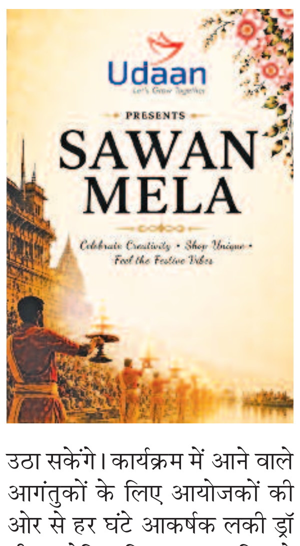


**वाराणसी(वेलकम इंडिया)।** महिला उद्यमिता को प्रोत्साहन देने और स्थानीय व्यवसायों को नई पहचान दिलाने के उद्देश्य से 'उड़ान - Let's Grow Together' के तत्वावधान में चार जुलाई को सुबह दस बजे से रात आठ बजे तक मलदहिया स्थित एचएचआई होटल में भव्य 'उड़ान सावन मेला' आयोजित किया जाएगा।

मेले में शहरवासियों के लिए प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क (फ्री एंट्री) रहेगा। मेले में हस्तशिल्प,फैशन,ज्वेलरी,होम डेकोर, लाइफस्टाइल,फूड एवं अन्य आकर्षक उत्पादों के अनेक स्टॉल सजेंगे जहां लोग खरीदारी के साथ सावन के उत्सवी माहौल का आनंद उठा सकेंगे। कार्यक्रम में आने वाले आगंतुकों के लिए आयोजकों की ओर से हर घंटे आकर्षक लकी ड्रॉ भी आयोजित किया जाएगा जिससे मेले का रोमांच और बढ़ जाएगा।

कार्यक्रम का उद्घाटन वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, एआरटी कंसल्टेंट तथा वंश फर्टिलिटी एंड टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर एवं आयुष्मान हॉस्पिटल की निदेशक डॉ.अनु अग्रवाल करेंगी।

विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजवादी महिला सभा,उत्तर प्रदेश की प्रदेश अध्यक्ष ऋभु श्रीवास्तव, काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट एवं चेंजिंग माइंड्स मेंटल हेल्थ केयर तथा आईआईटी-बीएचयू से जुड़े डॉ.लक्ष्मण यादव,बीएनआई वाराणसी के संस्थापक एवं एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर आयुष नरसरिया एवं आंचल नरसरिया उपस्थित रहेंगे।

इस भव्य मेले का आयोजन सोनम अग्रवाल एवं रश्मि अग्रवाल द्वारा किया जा रहा है। आयोजकों ने बताया कि मेले का मुख्य उद्देश्य स्थानीय एवं विशेष रूप से महिला उद्यमियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन,प्रचार और विपणन के लिए सशक्त मंच उपलब्ध कराना है ताकि वे अपने व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकें।

मेले में खरीदारी के साथ मनोरंजन, स्वादिष्ट व्यंजन,सावन थीम पर आधारित आकर्षक सजावट और पारिवारिक माहौल भी प्रमुख आकर्षण होंगे।

कार्यक्रम के टाइटल स्पॉन्सर 'राजबंधु स्वीट्स' हैं जबकि 'काशी फॉरेक्स' इस आयोजन के को-स्पॉन्सर हैं। आयोजकों ने शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस भव्य 'उड़ान सावन मेला' का हिस्सा बनने और महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करने की अपील की है।

## एसपी सिटी द्वारा महालिंगेश्वर सिद्ध महापीठ महालिंगपुरम मंदिर गंगेरुआ का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं लिया जायजा

वेलकम इंडिया संवाददाता

**बुलंदशहर।** शुक्रवार को अपर पुलिस अधीक्षक नगर अभिषेक प्रताप अजेय द्वारा आगामी श्रावण कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से थाना कोतवाली देहात क्षेत्र स्थित महालिंगेश्वर सिद्ध महापीठ महालिंगपुरम मंदिर परिसर एवं कांवड़ मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान महोदय द्वारा कांवड़ियों की सुरक्षा, सुविधा एवं सुगम जलाभिषेक व्यवस्था के दृष्टिगत विभिन्न व्यवस्थाओं का गहनता से अवलोकन कर संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

एसपी सिटी द्वारा सम्बन्धित को निर्देशित किया गया कि श्रद्धालुओं को नियंत्रण करने के लिए आने जाने वाले पृथक मार्ग बनाये जाए, बैरिकेटिंग, सुरक्षा के दृष्टिगत सीसीटीवी कैमरे लगवाने, कंट्रोल रूम, स्वास्थ्य कैंप, साफ सफाई, पेयजल, शौचालय, वाहन पार्किंग आदि की समुचित व्यवस्था को समय से सुनिश्चित कराया जाए।इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी नगर प्रखर पाण्डेय एवं प्रभारी निरीक्षक कोतवाली देहात रविरतन सिंह सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

## अवैध पार्किंग पर मनमानी का आरोप, श्रद्धालुओं से अभद्रता का वीडियो चर्चा में

**मथुरा/वृन्दावन(वेलकम इंडिया)।** धार्मिक नगरी वृन्दावन में अवैध पार्किंग के संचालन और श्रद्धालुओं से कथित मनमानी वसूली के आरोप लगातार सामने आ रहे हैं। शहर के प्रमुख मार्गों पर जगह–जगह संचालित हो रही पार्किंग व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई स्थानों पर बिना मानकों का पालन किए पार्किंग संचालित की जा रही हैं, जिससे श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ताजा मामला छटीकरा–वृन्दावन मार्ग पर मल्टी स्टोरी पार्किंग के सामने संचालित अन्नपूर्णा पार्किंग से जुड़ा है। आरोप है कि यहां वाहन पार्क कराने के नाम पर निर्धारित शुल्क से अधिक राशि वसूली जाती है। विरोध करने पर पार्किंग कर्मचारी यात्रियों के साथ अभद्र व्यवहार करते हैं और विवाद की स्थिति पैदा हो जाती है। बताया गया कि बीते दिनों दिल्ली से दर्शन के लिए आए एक श्रद्धालु परिवार के साथ पार्किंग कर्मचारियों की कहासुनी हो गई। आरोप है कि कर्मचारियों ने महिलाओं और बच्चों की मौजूदगी के बावजूद अभद्र भाषा का प्रयोग किया और बदसलूकी की। घटना का वीडियो भी स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि, इस मामले में पुलिस की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

# एसआरएमआईएसटी में 14वें अंतर्राष्ट्रीय कंप्यूटिंग सम्मेलन का भव्य शुभारंभ

अनिल वशिष्ठ

**मोदीनगर(वेलकम इंडिया)।** एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसआरएमआईएसटी), दिल्ली-एनसीआर कैंपस में कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग द्वारा स्प्रिंगर पब्लिकेशंस के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय 14वें अंतर्राष्ट्रीय कंप्यूटिंग सम्मेलन (आईसीआरटीसी-2026) का शुक्रवार को भव्य शुभारंभ हुआ। 3 एवं 4 जुलाई तक आयोजित होने वाले इस सम्मेलन में देशभर के शिक्षाविदों, शोधकताओं एवं उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने सहभागिता करते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं आधुनिक कंप्यूटिंग के नवीनतम शोध एवं तकनीकी नवाचारों पर विचार-विमर्श किया। सम्मेलन का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) संजय कुमार धुरंधर, कार्यकारी निदेशक, एनआईईएलआईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार ने अपने संबोधन में कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), मशीन लर्निंग, सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा तथा अन्य उभरती डिजिटल तकनीकें भारत के तकनीकी भविष्य की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को प्राप्त करने में इन क्षेत्रों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने युवाओं से अनुसंधान, नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने तथा उद्योग एवं शिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग को सशक्त बनाने का आ'ान किया।

इस अवसर पर एसआरएमआईएसटी, दिल्ली-एनसीआर कैंपस के डीन डॉ. आर. पी. महापात्रा, डॉ. धोम्या भट्ट (डीन, आईक्यूएसी), डॉ. ए. गीता भवानी (डीन, अनुसंधान) तथा डॉ. नवीन अहलावत (डीन, कैंपस लाइफ) सहित संस्थान के वरिष्ठ अधिकारी एवं शिक्षाविद उपस्थित रहे।सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने आधुनिक तकनीकों एवं वैश्विक शोध की नवीनतम प्रवृत्तियों पर अपने विचार साझा किए। प्रो. रोड्रिगो एंड्रेस रेयेस जारा (एमआईटी, अमेरिका) ने 'एजेंटिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से उद्यमों में परिवर्तन' तथा प्रो. ऑस्कर सांचेज (एमआईटी, अमेरिका) ने 'डिजिटल परिवर्तन में जनरेटिव एवं एजेंटिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अनुप्रयोग' विषय पर व्याख्यान दिया। इसके अतिरिक्त डॉ. ऐडा मेहराद (सी3एस बिजनेस स्कूल, बार्सिलोना, स्पेन) तथा श्री प्रवीन बारापात्रे, इंजीनियरिंग प्रमुख (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स एवं डिस्ट्रीब्यूटेड सिस्टम्स, अमेरिका) ने वर्चुअल माध्यम से प्रतिभागियों को संबोधित किया।

सम्मेलन में लगभग 300 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। भारत के विभिन्न शिक्षण एवं शोध संस्थानों के साथ-साथ अमेरिका, सिंगापुर एवं मलेशिया के शोधकताओं द्वारा भी चार अंतरराष्ट्रीय शोध-पत्र प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन के लिए प्राप्त 300 शोध-पत्रों में से विशेषज्ञ समिति द्वारा 50 उत्कृष्ट शोध-पत्रों का चयन किया गया है, जिन्हें स्प्रिंगर लेक्चर नोट्स इन कंप्यूटिंग श्रृंखला के अंतर्गत दो खंडों में प्रकाशित किया जाएगा। कार्यक्रम का स्वागत भाषण कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. नीलम सिंह ने दिया। सम्मेलन की रूपरेखा डॉ. आर. पी. महापात्रा ने प्रस्तुत करते हुए इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन को सफल बनाने के लिए संस्थान के निदेशक डॉ. एस. विश्वनाथन के मार्गदर्शन एवं सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अमित कक्कड़, एसोसिएट प्रोफेसर, कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग द्वारा किया गया। सम्मेलन के दौरान कृत्रिम बुद्धिमत्ता, एजेंटिक एआई, मशीन लर्निंग, साइबर सुरक्षा, डेटा साइंस, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन एवं आधुनिक कंप्यूटिंग तकनीकों से संबंधित विभिन्न तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। यह सम्मेलन शोध एवं नवाचार को नई दिशा देने के साथ-साथ शिक्षाविदों, शोधकताओं और उद्योग जगत के विशेषज्ञों के बीच ज्ञान के आदान-प्रदान का एक महत्वपूर्ण मंच सिद्ध होगा। सम्मेलन के सफल आयोजन में कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग के डिप्टी विभागाध्यक्ष डॉ. निरंजन लाल, मीडिया प्रभारी डॉ. नितिन धामा तथा आईईसी प्रमुख डॉ. चंद्र शेखर त्यागी सहित आयोजन समिति के सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

# दो शातिर चोर गिरफ्तार; लाखों का तांबा बरामद

वेलकम इंडिया संवाददाता

**ट्रांस हिंडन।** लिंक रोड थाना पुलिस ने औद्योगिक क्षेत्रों में फैक्टरियों को निशाना बनाकर चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले एक शातिर गिरोह का पदार्फाश करते हुए उसके दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया करीब 40 किलोग्राम तांबा, नकदी और घटना में प्रयुक्त एक कार बरामद की है। पुलिस अब गिरोह के अन्य फरार सदस्यों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है।

प्रभारी सहायक पुलिस आयुक्त अमित सक्सेना ने बताया कि 30 जून की रात लिंक रोड थाना क्षेत्र स्थित आनंद रेफ्रीजरेशन प्राइवेट लिमिटेड फैक्टरी में चोरी की वारदात हुई थी। चोर फैक्टरी से तांबे की प्लेट, तांबे के पाइप और अन्य कीमती सामान चोरी कर फरार हो गए थे। घटना के बाद फैक्टरी संचालक अनिल छिब्बर ने लिंक रोड थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। तकनीकी साक्ष्यों और गोपनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने दिल्ली के विकास पुरी निवासी अंचल तथा गौतमबुद्ध नगर निवासी फैसल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई करीब 40 किलोग्राम तांबे की प्लेट और पाइप, 2,700 रुपये नकद तथा वारदात में इस्तेमाल की गई एक कार बरामद की है। बरामद सामान को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे औद्योगिक क्षेत्रों में स्थित फैक्टरियों की रेकी कर सुनसान समय में चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। उन्होंने पुलिस को कई अन्य चोरी की घटनाओं के संबंध में भी महत्वपूर्ण जानकारी दी है, जिसके आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

# बार एसोसिएशन के चैंबर निर्माण में हाईकोर्ट व सिविल कोर्ट के आदेशों की अवहेलना का लगाया आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

**मोदीनगर।** कादराबाद गांव स्थित भूमि पर प्रस्तावित निर्माण कार्य को लेकर भूमि के पंजीकृत स्वामी होने का दावा करने वाले देवेन्द्र कुमार ने तहसील प्रशासन पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय तथा गाजियाबाद सिविल न्यायालय के प्रभावी आदेशों की अनदेखी करते हुए उनकी भूमि पर बार एसोसिएशन के सदस्यों के लिए चैंबरों के निर्माण की योजना बनाने का आरोप लगाया है। देवेन्द्र कुमार ने पत्रकारों को बताया कि खसरा संख्या 147/2 की भूमि पर चकबंदी अधिकारी के वर्ष 1969 के आदेश, वर्ष 2001 के पंजीकृत बैनामे तथा नामांतरण आदेश के आधार पर राजस्व अभिलेखों में उनका स्वामित्व दर्ज है। उनका कहना है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 31 अगस्त 2006 को पारित आदेश में इन अभिलेखों को बरकरार रखा था। देवेन्द्र कुमार ने दावा किया कि गाजियाबाद के अपर सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) ने 20 मई 2019 को पारित आदेश में विवादित भूमि पर किसी भी प्रकार के अवैध हस्तक्षेप एवं निर्माण पर रोक संबंधी निर्देश दिए थे।

देवेन्द्र का आरोप है कि इस सब के बावजूद 25 जून 2026 को बार एसोसिएशन मोदीनगर के पदाधिकारियों तथा कुछ अधिवक्ताओं ने प्रशासनिक अधिकारियों एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर भूमि का माप कराकर निर्माण की योजना बनाई है। इस मामले में देवेन्द्र कुमार ने जिला प्रशासन को दिए गए शिकायती पत्र में मांग की है कि विवादित स्थल पर प्रस्तावित निर्माण कार्य योजना पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाकर मौके पर यथास्थिति बनाए रखी जाए। इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों एवं संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाए। देवेन्द्र कुमार के उक्त शिकायत की प्रतिलिपि पुलिस आयुक्त, उपजिलाधिकारी मोदीनगर, तहसीलदार मोदीनगर तथा लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को भी भेजी गई है। इस मामले में उपजिलाधिकारी अजीत सिंह ने मामले की जांच के बाद उचित कार्यवाही की बात कही है।

# प्रतिभाशाली छात्रा ने छात्राओं को बताए सफलता के मूल मंत्र

अनिल वशिष्ठ

**मोदीनगर(वेलकम इंडिया)।** चमेली देवी दुर्गा प्रसाद स्मारक कन्या इण्टर कॉलेज सौन्दा में कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा 2026 में गाजियाबाद जनपद में आठवां स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा माही पुत्री महेश कुमार ने अपने पूर्व विद्यालय चमेली देवी दुर्गा प्रसाद स्मारक कन्या इण्टर कॉलेज सौन्दा गाजियाबाद का दौरा किया। इस मौके पर शिक्षिकाओं और छात्राओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। माही ने छात्राओं के साथ अपना अनुभव साझा किया एवं बताया कि कठिन विषयों से डरने के बजाय उन्हें निरंतर अभ्यास करना चाहिए। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती गायत्री देवी ने गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी छात्राएँ अन्य बच्चों के लिए प्रेरणा बनती है। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं ने सफलता के मूल मंत्र जानने की कोशिश की एवं उसके सुझाव को ध्यान से सुना इस सफलता का श्रेय माही ने विद्यालय की समस्त शिक्षिकाओं को दिया। यह कार्यक्रम छात्राओं के लिए प्रेरणादायक साबित हुआ और उन्हें मेहनत, लगन तथा अनुशासन का महत्व समझने को मिला।

# गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पी.जी. कॉलेज में प्लास्टिक मुक्त अभियान का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

**मोदीनगर(वेलकम इंडिया)।** गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पी.जी. कॉलेज में शुक्रवार को नगर पालिका एवं स्वच्छ भारत मिशन के सहयोग से 'प्लास्टिक मुक्त अभियान' का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान कॉलेज की प्राचार्या प्रोफेसर पूनम शर्मा ने छात्राओं को सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने, गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग रखने तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के लिए जागरूक किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं से स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आ'ान किया।

इस अवसर पर डॉ. सारिका गर्ग ने भी छात्राओं को संबोधित करते हुए प्लास्टिक प्रदूषण के दुष्प्रभावों से अवगत कराया तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को अपनी जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम में नगर पालिका की ओर से अमरेश कुमार, दिनेश कुमार तथा स्वच्छ भारत मिशन (SBM) टीम के सदस्य अर्पित गोयल, समीर, दीपांशु सैनी, शिवानी कुंडू, आशीष वत्स, मनीष एवं विपिन कृष्णपाल उपस्थित रहे। उन्होंने भी छात्राओं को प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

इस अवसर पर कॉलेज की शिक्षिकाएँ अनीता कौशिक, अनीता खन्ना, खुशबू, गर्गी, गीता त्यागी, शिवानी शर्मा सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई और अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कार्यक्रम के अंत में सभी छात्राओं एवं उपस्थित सदस्यों ने प्लास्टिक मुक्त एवं स्वच्छ भारत के निर्माण हेतु सामूहिक संकल्प लिया। यह अभियान छात्राओं के लिए अत्यंत प्रेरणादायक एवं जागरूकता बढ़ाने वाला सिद्ध हुआ।

# बुजुर्ग की जमीन पर कब्जे का आरोपः विरोध करने पर मारपीट, जातिसूचक टिप्पणी और जान से मारने की धमकी

वेलकम इंडिया संवाददाता

**गाजियाबाद।** वेव सिटी थाना क्षेत्र के ग्राम दीनानाथपुर पूठी में एक 60 वर्षीय बुजुर्ग द्वारा खरीदी गई जमीन पर कथित कब्जे के प्रयास का मामला सामने आया है। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि अपने प्लॉट पर निर्माण कार्य शुरू कराने के दौरान कुछ लोगों ने न केवल उनके साथ मारपीट और अभद्रता की, बल्कि जातिसूचक टिप्पणी करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। मामले में कार्रवाई न होने से आहत पीड़ित ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की है। पीड़ित लेखराज, निवासी ग्राम हसनपुर लौढ़ा, थाना धौलाना, जनपद हापुड़, ने अपने शिकायती पत्र में बताया है कि उन्होंने अगस्त 2012 में ग्राम दीनानाथपुर पूठी स्थित खसरा संख्या 268 में 203 वर्ग गज का प्लॉट विधिवत खरीदा था। उनके अनुसार, जमीन से संबंधित सभी वैध दस्तावेज, रजिस्ट्री और किसान की फर्द उनके पास मौजूद हैं तथा वर्षों से वह उक्त भूमि पर वैध कब्जे में हैं। शिकायत के अनुसार, 29 जून को वह अपने भतीजे महेश के साथ प्लॉट पर निर्माण कार्य के लिए नींव की खुदाई करा रहे थे। इसी दौरान कुछ लोग वहां पहुंचे और जमीन पर अपना दावा जताने लगे।

# तुलसीराम माहेश्वरी पब्लिक स्कूल के पूर्व छात्र पार्थ गुप्ता ने सी0ए0 इंटरमीडिएट परीक्षा के दोनों समूह उत्तीर्ण कर रचा स्वर्णिम इतिहास

अनिल वशिष्ठ

**मोदीनगर(वेलकम इंडिया)।** तुलसीराम माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, मोदीनगर के लिए अत्यंत हर्ष एवं गर्व का विषय है कि विद्यालय के प्रतिभाशाली पूर्व छात्र पार्थ गुप्ता, सुपुत्र मुकेश गुप्ता ने वर्ष 2025-26 में मात्र 18 वर्ष की आयु में प्रथम प्रयास में सी0ए0 इंटरमीडिएट परीक्षा के दोनों समूह (Both Groups) सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर एक असाधारण उपलब्धि अर्जित की है। कम आयु में यह सफलता उनकी अद्भुत प्रतिभा, अनुशासन, कठिन परिश्रम एवं अटूट आत्मविश्वास का परिचायक है।

इतनी कम आयु में सी0ए0 इंटरमीडिएट के दोनों समूह प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण करना अत्यंत सराहनीय उपलब्धि है, जो उन्हें अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनाती है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक विनोद कुमार माहेश्वरी ने कहा–'सफलता उम्र की मोहताज नहीं होती, बल्कि दृढ़ संकल्प, अनुशासन और निरंतर परिश्रम का परिणाम होती है। पार्थ की यह उपलब्धि न केवल विद्यालय के लिए गौरव का विषय है, बल्कि सभी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण भी है।

हमें पूर्ण विश्वास है कि वह भविष्य में चार्टर्ड अकाउंटेंट बनकर विद्यालय, अपने परिवार तथा देश का नाम और अधिक गौरवान्वित करेंगे। गौरव माहेश्वरी एवं श्रीमती राधिका माहेश्वरी ने भी पार्थ गुप्ता को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा, 'पार्थ की यह सफलता विद्यालय परिवार के लिए अत्यंत गर्व और प्रसन्नता का विषय है। उनकी यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों को भी बड़े लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें प्राप्त करने की प्रेरणा देगी। हम उनके उज्ज्वल एवं सफल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हैं।

विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रजनी ओहरी ने पार्थ गुप्ता को बधाई देते हुए कहा, 'पार्थ की यह उपलब्धि विद्यालय की उत्कृष्ट शैक्षणिक परंपरा का गौरवपूर्ण उदाहरण है। हमें विश्वास है कि वे भविष्य में भी अपनी प्रतिभा और परिश्रम से निरंतर नई सफलताएँ अर्जित करेंगे।'

विद्यालय के समस्त शिक्षक - शिक्षिकाओं ने पार्थ गुप्ता एवं उनके अभिभावकों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्जवल एवं सफल भविष्य के लिए मंगलमय शुभकामनाएं प्रेषित की।

# फैमिली आईडी में वीसी के जरिए प्रगति समीक्षा, कम प्रदर्शन वाले विकास खंडों से मांगा तत्काल सुधार

वेलकम इंडिया संवाददाता

**गाजियाबाद।** शासन की महत्वाकांक्षी फैमिली आईडी योजना को गति देने के लिए मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले में चल रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के दौरान कई विकास खंडों में लक्ष्य के अनुरूप प्रगति संतोषजनक न मिलने पर अधिकारियों को कड़ी नाराजगी जताते हुए प्रतिदिन निर्धारित लक्ष्य हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने सभी खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में प्रतिदिन कम से कम पांच नई फैमिली आईडी तैयार कराई जाएं। समीक्षा के दौरान विकास खंड भोजपुर में 83, लोनी में 15, मुरादनगर में 66 तथा रजापुर में 15 फैमिली आईडी बनने की प्रगति लक्ष्य की तुलना में कम पाई गई। इस पर संबंधित अधिकारियों को चेतावनी देते हुए निर्देश दिया गया कि दैनिक लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित की जाए और कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने सहायक नगर आयुक्त, नगर निगम को भी निर्देशित किया कि नगर निगम क्षेत्र में प्रतिदिन 160 फैमिली आईडी तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए नगर निगम के संबंधित अधिकारियों के साथ नियमित बैठक कर कार्यों की समीक्षा की जाए तथा 4 जुलाई 2026 तक लक्ष्य के अनुरूप प्रगति में उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित किया जाए। बैठक में जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी एवं जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देश दिए गए कि उनके विभाग से जुड़े सभी पेंशनधारकों की शत-प्रतिशत फैमिली आईडी बनवाना प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए, ताकि पात्र लाभार्थियों को भविष्य में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इसके अलावा जिला पूर्ति अधिकारी के प्रतिनिधि को निर्देशित किया गया कि सभी कोटेदारों के साथ समन्वय स्थापित कर नए राशन कार्ड धारकों एवं पात्र परिवारों की फैमिली आईडी शीघ्र बनवाई जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ अभियान को तेज गति दें और निर्धारित लक्ष्य समयबद्ध तरीके से पूरा करें। बैठक में फैमिली आईडी योजना से जुड़े सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। अंत में मुख्य विकास अधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की प्राथमिकता वाले इस अभियान में किसी भी स्तर पर ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी विभाग अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करते हुए नियमित रूप से कार्यों की समीक्षा करें।

# समय से पहले रिजल्ट जारी कर एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी ने रचा नया कीर्तिमान, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के संकल्प को दोहराया

वेलकम इंडिया संवाददाता

**गाजियाबाद।** एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी ने अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक व्यवस्था और समयबद्ध परीक्षा प्रणाली को एक बार फिर साबित करते हुए जून 2026 में आयोजित सम सेमेस्टर परीक्षाओं का परिणाम निर्धारित समय से पहले घोषित कर दिया। विश्वविद्यालय के इस निर्णय से हजारों विद्यार्थियों को अगले सेमेस्टर, उच्च शिक्षा, इंटर्नशिप, प्लेसमेंट और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अतिरिक्त समय मिल सकेगा। समयबद्ध और पारदर्शी परीक्षा परिणाम जारी कर विश्वविद्यालय ने छात्र हितों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को फिर से मजबूत किया है।

इस बार विश्वविद्यालय के सभी स्कूलों और संकायों के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शानदार सफलता हासिल की। विभिन्न पाठ्यक्रमों में छात्रों की उल्लेखनीय उपलब्धियों ने विश्वविद्यालय की गुणवत्ता-आधारित शिक्षण व्यवस्था, निष्पक्ष मूल्यांकन प्रणाली और अकादमिक उत्कृष्टता को नई पहचान दिलाई है।

विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि समय पर परीक्षा और निर्धारित अवधि से पहले परिणाम घोषित करना संस्थान की सुदृढ़ शैक्षणिक योजना और प्रभावी प्रशासनिक कार्यप्रणाली का परिणाम है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस सफलता का श्रेय परीक्षा विभाग,

संकाय सदस्यों, विभागाध्यक्षों, परीक्षकों तथा सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के समर्पण, अनुशासन और बेहतर समन्वय को दिया।

प्रशासन ने कहा कि मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता, शुद्धता और गोपनीयता के साथ निर्धारित समय से पहले पूर्ण की गई, जिससे छात्रों को बिना किसी अनावश्यक प्रतीक्षा के अपने परिणाम प्राप्त हो सके।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति महेन्द्र अग्रवाल, प्रो-चांसलर नितिन अग्रवाल, वाइस चेयरमैन अखिल अग्रवाल, प्रो-चांसलर (प्रशासन) पीयूष श्रीवास्तव, प्रो-चांसलर (शैक्षणिक) विमल कुमार शर्मा, कुलपति प्रो. (डॉ.) परसनजीत कुमार तथा कुलसचिव डॉ. राजीव रतन ने परीक्षा नियंत्रक दीपक भारद्वाज और उनकी पूरी टीम के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

विश्वविद्यालय प्रबंधन ने कहा कि एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, रोजगारोन्मुख और तकनीक आधारित शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

साथ ही प्रत्येक शैक्षणिक प्रक्रिया को समयबद्ध, पारदर्शी और छात्र-केंद्रित बनाना संस्थान की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि समय से पहले परीक्षा परिणाम घोषित करना विश्वविद्यालय की कार्यकुशलता, सुव्यवस्थित प्रशासन और विद्यार्थियों के प्रति उत्तरदायित्व का प्रमाण है, जिससे छात्रों का विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी सफल विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए उन्हें आगामी शैक्षणिक, शोध एवं व्यावसायिक जीवन में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। सम सेमेस्टर परीक्षा का परिणाम विश्वविद्यालय के आधिकारिक ईआरपी पोर्टल पर उपलब्ध करा दिया गया है, जहां विद्यार्थी अपना परिणाम ऑनलाइन देख सकते हैं।

# पुलिस पर तमंचा तानते ही हुई मुठभेड़, मोहित हत्याकांड का मुख्य आरोपी गोली लगने से दबोचा गया

कपिल चौहान

**गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)।** क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र में चर्चित मोहित शर्मा हत्याकांड के मुख्य आरोपी गौरव को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी को हत्या में प्रयुक्त हथियार की बरामदगी के लिए शांतिनगर स्थित जल प्लांट के पास डंपिंग यार्ड ले जाया गया था। इसी दौरान उसने झाड़ियों में छिपाया गया तमंचा निकालकर पुलिस टीम पर फायर करने का प्रयास किया। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लग गई। घायल आरोपी को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया गया।

सहायक पुलिस आयुक्त वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि 2 जुलाई को मोहित शर्मा की हत्या के मामले में गौरव और उसके साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

पूछताछ के दौरान हथियार बरामद कराने ले जाने पर आरोपी ने पुलिस पर हमला करने की कोशिश की, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। पुलिस ने बताया कि मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

वहीं, हत्याकांड में शामिल अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों द्वारा लगातार दबिश दी जा रही है।

# ट्रॉनिका सिटी की गत्ता फैक्ट्री में भीषण आग, 10 दमकल वाहनों ने पाया काबू; बड़ा हादसा टला

कपिल चौहान

**गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)।** गाजियाबाद में आग लगने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। इसी क्रम में ट्रॉनिका सिटी क्षेत्र स्थित हरिओम कॉटन प्राइवेट लिमिटेड की गत्ता एवं पेपर रोल बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई टीमें मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि फायर स्टेशन ट्रॉनिका सिटी को फैक्ट्री में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग के फायर टैंकर तत्काल मौके पर रवाना किए गए। आग पर नियंत्रण पाने के लिए कुल 10 फायर टैंकरों की सहायता ली गई।

दमकल कर्मियों के त्वरित और समन्वित प्रयासों से आग को पूरी तरह बुझा दिया गया। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

# रंगों में दिखा हरित भविष्य का सपना, वृक्षारोपण महायज्ञ में बच्चों ने दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश

कपिल चौहान

**गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)।** वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के तहत शुक्रवार को गाजियाबाद रेंज द्वारा राजनगर एक्सटेंशन स्थित जीडी गोयनका स्कूल में 'फॉरेस्ट, नेचर एंड अर्थ' विषय पर इंटर स्कूल पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में भागीरथी स्कूल, सिल्वर लाइन प्रेस्टीज स्कूल सहित विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण पर आधारित आकर्षक चित्रों के माध्यम से हरित भविष्य का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान 'लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' होल्डर हर्षिता वशिष्ठ ने लाइव पेंटिंग बनाकर विद्यार्थियों को कला और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संगम दिखाया। इसके उपरांत जीडी गोयनका स्कूल के डायरेक्टर अवी गोयल तथा प्रिंसिपल योगिता कपिल ने पौधारोपण कर हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर क्षेत्रीय वन अधिकारी श्रीमती निमी कुचिया सहित गाजियाबाद रेंज का समस्त वन स्टाफ मौजूद रहा। एनजीओ एन्वायरमेंट क्लब के सहयोग से आम भंडारे का आयोजन किया गया। साथ ही आम की देशी एवं अन्य प्रजातियों के पौधों का वितरण कर लोगों को उनके रोपण एवं संरक्षण के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति विद्यार्थियों एवं आमजन में जागरूकता बढ़ाना और अधिक से अधिक वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करना रहा।

# प्रशासन को किसानों का अल्टीमेटम, तीन दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो 500 ट्रैक्टरों संग होगा दिल्ली कूच

कपिल चौहान

**गौतमबुद्ध नगर।** भारतीय किसान यूनियन (शहीद-ए-आजम भगत सिंह) ने किसानों की लंबित मांगों को लेकर प्रशासन को तीन दिन का अल्टीमेटम दिया है। संगठन के पदाधिकारियों ने एसडीएम, सिटी मजिस्ट्रेट और थाना सूरजपुर प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर ग्राम बेलाखुर्द के किसानों के कब्जे की सुरक्षा और मूंग की फसल को बचाने के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की।

राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन भाटी और राष्ट्रीय महासचिव बिजेंद्र रावल ने कहा कि यदि तीन दिनों के भीतर प्रशासन ने किसानों के हित में कोई ठोस कदम नहीं उठाया तो संगठन करीब 500 ट्रैक्टरों के साथ दिल्ली कूच करेगा। उन्होंने बताया कि दिल्ली में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री से मिलकर किसानों की समस्याओं और प्रशासन की कार्यप्रणाली से अवगत कराया जाएगा।

राष्ट्रीय प्रवक्ता हातम सिंह भाटी, संगठन के संस्थापक प्रवीण गुर्जर और नितिन भाटी ने कहा कि किसान हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और संगठन किसानों के अधिकारों की लड़ाई जारी रखेगा।

महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर महिला मोर्चा भी बड़ी संख्या में दिल्ली कूच में शामिल होगा। जिलाध्यक्ष सचिन भाटी ने कहा कि किसानों को उनका वैधानिक अधिकार दिलाने के लिए संगठन हर स्तर पर संघर्ष करेगा।

ज्ञापन कार्यक्रम में राष्ट्रीय मुख्य महासचिव दिलदार अंसारी, राष्ट्रीय महासचिव आशीष नागर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंद्रजीत नागर, गिरिराज भाटी, बिजेंद्र नागर, अजय नागर, सोनू कसाना, प्रदेश अध्यक्ष जतन भाटी, मंडल अध्यक्ष योगेश खारी, विनीत मावी, प्रशांत राणा, मेरठ जिलाध्यक्ष वीर सिंह चेयरमैन, युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामवीर भाटी, प्रदेश प्रवक्ता कृष्ण शर्मा सहित बड़ी संख्या में किसान एवं संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

# हरियाली का संदेश: ग्रीन चौपाल में पौधारोपण, ग्रामीणों को मुफ्त मिले आम के पौधे

कपिल चौहान

**गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)।** मोदीनगर रेंज के अंतर्गत ग्राम चुड़ियाला स्थित कम्पोजिट विद्यालय में शुक्रवार को 'ग्रीन चौपाल, पौधारोपण एवं आम भंडारा कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ रहे, जबकि खंड विकास अधिकारी पीयूष वर्मा, जिला परियोजना अधिकारी प्रदीप कुमार पाण्डेय एवं ब्लॉक प्रमुख सुचिता सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय वनाधिकारी ने ग्रामीणों को वन एवं पर्यावरण संरक्षण का महत्व बताते हुए वन विभाग की कार्बन क्रेडिट योजना की जानकारी दी। साथ ही विभाग की विभिन्न योजनाओं से संबंधित प्रचार सामग्री भी वितरित की गई। अतिथियों ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया। इसके बाद आयोजित आम भंडारा कार्यक्रम में ग्रामीणों एवं बच्चों को निशुल्क आम के पौधे वितरित किए गए। इस अवसर पर क्षेत्रीय वनाधिकारी अमित सिंह, वन विभाग का स्टाफ, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

# प्लास्टिक मुक्त भविष्य की ओर बढ़ा गाजियाबाद, तुराब नगर मार्केट में चला जागरूकता अभियान

कपिल चौहान

**गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)।** अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक मुक्त दिवस के अवसर पर गाजियाबाद नगर निगम द्वारा वार्ड-88 स्थित तुराब नगर मार्केट में विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान व्यापारियों एवं आम नागरिकों को सिंगल-यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए इसके उपयोग से बचने की अपील की गई।

नगर निगम की टीम ने व्यापारियों को प्लास्टिक की थैलियों के स्थान पर जूट एवं कपड़े के थैलों के उपयोग के लिए प्रेरित किया।

साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पर्यावरण अनुकूल जूट और कपड़े के थैले भी वितरित किए गए। नगर निगम अधिकारियों ने कहा कि प्लास्टिक मुक्त शहर बनाने के लिए जनसहभागिता बेहद आवश्यक है।

सभी नागरिकों और व्यापारियों से अपील की गई कि वे सिंगल-यूज प्लास्टिक का उपयोग पूरी तरह बंद कर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दें।

# ऑपरेशन प्रहार में बड़ी सफलता: मसूरी पुलिस ने 2200 पव्वे अवैध शराब संग दो तस्करों को दबोचा

कपिल चौहान

**गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)।** कमिश्नरेट गाजियाबाद की थाना मसूरी पुलिस ने 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत चलाए जा रहे अभियान में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चंडीगढ़ मार्का अंग्रेजी शराब के 2200 पव्वे तथा तस्करी में इस्तेमाल की जा रही दो कारें बरामद की हैं।

पुलिस के अनुसार चेकिंग अभियान के दौरान मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए राहुल पुत्र राजेश कुमार निवासी बड़ौली राई, जिला सोनीपत (हरियाणा) तथा अवनीश पुत्र कप्तान निवासी ग्राम कालपुर, जिला सोनीपत (हरियाणा) को थाना मसूरी क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना मसूरी में आबकारी अधिनियम की धारा 60/63/72 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस शराब तस्करी के नेटवर्क की पड़ताल कर रही है तथा मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई जारी है।

# यातायात पुलिस को मिला ट्रैफिक कानूनों का 'गुरुमंत्र', 186 आरक्षियों को दिया गया विशेष प्रशिक्षण

कपिल चौहान

**गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)।** सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से रिजर्व पुलिस लाइंस स्थित परमजीत हॉल में शुक्रवार को 186 यातायात पुलिस आरक्षियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान परिवहन विभाग के अधिकारियों ने मोटरयान अधिनियम-1988, केंद्रीय मोटरयान नियम, वाहन पंजीकरण, ड्राइविंग लाइसेंस, परमिट, वाहन फिटनेस, सड़क दुर्घटनाओं की तकनीकी जांच तथा पुलिस-परिवहन विभाग के समन्वय से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी।

आरक्षियों को वाहन चेकिंग की वैधानिक प्रक्रिया, ओवरलोडिंग, बिना परमिट एवं बिना फिटनेस वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई, डिजिटल प्रवर्तन प्रणाली और ई-चालान व्यवस्था की जानकारी भी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि प्रभावी प्रवर्तन और दोनों विभागों के बेहतर समन्वय से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। प्रशिक्षण के बाद संवादात्मक सत्र में आरक्षियों के प्रश्नों का समाधान किया गया तथा सड़क सुरक्षा के प्रति उत्तरदायित्व और विधिसम्मत कार्रवाई के महत्व पर जोर दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) अशोक कुमार श्रीवास्तव एवं संभागीय निरीक्षक (प्राविधिक) विवेक कुमार खरवार ने व्याख्यान देकर आरक्षियों को परिवहन संबंधी महत्वपूर्ण कानूनी एवं तकनीकी जानकारी प्रदान की।

# फैक्ट्री से कॉपर पाइप उड़ाने वाले शातिर चोर चढ़े पुलिस के हत्थे, 80 हजार का माल बरामद

कपिल चौहान

**गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)।** साहिबाबाद क्षेत्र में फैक्ट्री से कॉपर पाइप चोरी की वारदात का थाना लिंक रोड पुलिस ने खुलासा करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 40 किलो चोरी की कॉपर पाइप, जिसकी कीमत लगभग 80 हजार रुपये बताई जा रही है, बरामद की है। इसके अलावा वारदात में प्रयुक्त एक कैन्टर वाहन और 2700 रुपये नकद भी बरामद किए गए हैं।

29 जून की रात साहिबाबाद स्थित एक फैक्ट्री से कॉपर पाइप चोरी होने के बाद मुकदमा दर्ज कर विशेष टीम गठित की गई थी। सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने क्षेत्र में हुई कई अन्य चोरी की घटनाओं में शामिल होने की बात भी स्वीकार की है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में से एक के खिलाफ करीब डेढ़ दर्जन तथा दूसरे के खिलाफ तीन आपराधिक मुकदमे पहले से दर्ज हैं। एसीपी साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि आरोपियों के अन्य साथियों और चोरी के पूरे नेटवर्क की भी जांच की जा रही है। जल्द ही इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों पर भी कार्रवाई की जाएगी।